दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

चंडीगढ़ | बुधवार, 4 मार्च, 2026 वर्ष 24, अंक 55, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

भगवंत मान ने केंद्रीय नागर विमानन मंत्री से की बात, युद्ध प्रभावित अरब देशों में फंसे पंजाबियों को तुरंत निकालने की मांग की

पंजाबियों को परिवारों से मिलाया जाएगा; केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ने पंजाबियों को निकालने के लिए विशेष उड़ानों का प्रबंध करने का भरोसा दिया

यज्ञांश शर्मा
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राम मोहन नायडू से फोन पर बात की और उनसे संकटग्रस्त मध्य पूर्व में फंसे पंजाबियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह किया। टेलीफोन पर बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने अचानक युद्ध शुरू होने के कारण खाड़ी देशों में फंसे पंजाबियों से संबंधित आंकड़े साझा किए और उन्हें वापस लाने के लिए तुरंत कदम उठाने की अपील की।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मैंने नागर विमानन मंत्री के. राम मोहन नायडू से फोन पर बात की। प्रवासी भारतीय मामलों के बारे में पंजाब के मंत्री डॉ. रवजोत सिंह भी उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलने गए थे। केंद्रीय मंत्री ने भरोसा दिया है कि अरब देशों से पंजाबियों की सुरक्षित वापसी के लिए जरूरी प्रबंध किए जाएंगे, जिसमें विशेष उड़ानों का प्रबंध भी शामिल है। मैंने सभी संबंधित व्यक्तियों की सूची संपर्क नंबरों सहित साझा की है। जल्द ही ये पंजाबी सुरक्षित अपने परिवारों के पास वापस आ जाएंगे। किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता के लिए कृपया एन.आर.आई. विंग के 24७7 कंट्रोल रूम नंबर 0172-2260042, 0172-2260043 या व्हाट्सएप नंबर $91 94787-79112 पर संपर्क करें।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राम मोहन नायडू से अपनी टेलीफोन बातचीत के दौरान मैंने अचानक युद्ध के कारण खाड़ी देशों में फंसे पंजाबियों से संबंधित सारा डेटा साझा किया। मैंने उनसे अपील की कि इन पंजाबियों को जल्द से जल्द बाहर निकाला जाए ताकि वे पंजाब में अपने परिवारों से दोबारा मिल सकें। केंद्रीय मंत्री ने हर संभव मदद का भरोसा दिया है और मुझे उम्मीद है कि युद्ध प्रभावित खाड़ी क्षेत्र में फंसे पंजाबी जल्द ही अपने परिवारों में होंगे।

मध्य पूर्व में फंसे पंजाबियों को बाहर निकालने के लिए पंजाब सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा, पंजाबियों ने देश को अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और देश की एकता, अखंडता तथा प्रभुसत्ता की रक्षा में शानदार भूमिका निभाई है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अचानक युद्ध शुरू होने के कारण बड़ी संख्या में पंजाबी मध्य पूर्व में फंसे हुए हैं। केंद्र सरकार को फंसे पंजाबियों को वापस लाने के लिए विशेष जहाजों का प्रबंध करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा, पंजाब के कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह को केंद्रीय नागर विमानन मंत्री श्री राम मोहन नायडू से मुलाकात करने और पंजाबियों को उनकी पैतृक धरती पर वापस लाने में कोई कसर न छोड़ने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव डालने के लिए नियुक्त किया गया है।

- पंजाब सरकार ने फंसे हुए व्यक्तियों की सूची केंद्र के साथ साझा की, वापसी की प्रक्रिया जारी: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान
- अरब देशों में फंसे पंजाबियों की सुरक्षित वापसी सबसे बड़ी प्राथमिकता है: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान
- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भारत सरकार से फंसे पंजाबियों को निकालने के लिए विशेष जहाज लगाने की अपील की
- पंजाब सरकार खाड़ी देशों में फंसे नौजवानों और छात्रों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान
- पंजाब सरकार ने फंसे पंजाबियों के परिवारों की सहायता के लिए 2477 कंट्रोल रूम स्थापित किया: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

पंजाब सरकार इस संकट की घड़ी में पंजाबियों को बचाने के लिए वचनबद्ध है और पहले ही ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। अरब देशों में फंसे हमारे पंजाबियों की सुरक्षित वापसी पंजाब सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

प्रभावित परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब सरकार फंसे लोगों को जल्द से जल्द हर जरूरी सहायता उपलब्ध कराने के लिए वचनबद्ध है। हम इस संकट की घड़ी में खाड़ी देशों में फंसे नौजवानों और छात्रों के परिवारजनों के साथ मजबूती से खड़े हैं। मुझे उम्मीद है कि भारत सरकार युद्ध प्रभावित खाड़ी क्षेत्र में फंसे सभी लोगों की मदद के लिए जरूरी कदम उठाएगी।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने एक्स पर कहा, मैं कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह जी को केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू जी के पास भेज रहा हूं। हम मांग करते हैं कि पंजाबियों के लिए विशेष जहाज का प्रबंध किया जाए। अरब देशों में फंसे हमारे पंजाबियों की सुरक्षित घर वापसी हमारी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

सैनी ने प्रदेश की 602 पंजीकृत गौशालाओं के लिए 68 करोड़ 34 लाख रुपये की अनुदान राशि की जारी

राष्ट्रीय गोकुल मिशन के माध्यम से नस्ल सुधार और संरक्षण पर दिया जा रहा विशेष बल

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने जिला सोनीपत के गांव भटगांव में आयोजित राज्यस्तरीय गौशाला चारा अनुदान राशि वितरण समारोह में प्रदेश की गौशालाओं के सशक्तिकरण के लिए 68 करोड़ 34 लाख रुपये की चारा अनुदान राशि जारी की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को होली के पर्व की शुभकामनाएं भी दी।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि गौमाता हमारी संस्कृति, आस्था और संवेदनशीलता की प्रतीक हैं। गौसेवा केवल धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण से भी जुड़ा हुआ विषय है। सरकार का उद्देश्य गौशालाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भटगांव की दोनों ग्राम पंचायतों तथा धर्मार्थ गौशाला भटगांव को 21-21 लाख रुपए देने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सोनीपत जिले की 27 पंजीकृत गौशालाओं के लिए 5 करोड़ 60 लाख रुपये की राशि जारी की गई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश की 602 पंजीकृत गौशालाओं को यह अनुदान दिया जा रहा है, जिससे हजारों गौशालाओं में आश्रय ले रहे गौवंश को चारे की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित होगी।

उन्होंने जानकारी दी कि पिछले सवा 11 वर्षों में प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत गौशालाओं को 457 करोड़ 41 लाख रुपये की अनुदान राशि दी गई थी और आज की राशि मिलाकर यह आंकड़ा बढकर 525 करोड़ 75 लाख रुपये से अधिक हो चुका है। यह सरकार की गौसंवर्धन के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2014 तक प्रदेश में केवल 215 पंजीकृत गौशालाएं थीं, जिनमें लगभग 1 लाख 75 हजार गोवंश का पालन-पोषण हो रहा था। वर्तमान में 697 पंजीकृत गौशालाएं कार्यरत हैं, जिनमें लगभग 4 लाख बेसहारा गोवंश को आश्रय दिया जा रहा है। यह वृद्धि प्रदेश सरकार की योजनाओं और समाज के सहयोग से संभव हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की 330 गौशालाओं में सोलर ऊर्जा प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं और वर्ष 2026-27 तक सभी पंजीकृत गौशालाओं को सौर ऊर्जा आधारित परिसरों में परिवर्तित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अतिरिक्त गौशालाओं को 2 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है, जिससे उनके खर्च में कमी आएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि गौशालाओं को ई-रिक्शा उपलब्ध करवाने की प्रक्रिया जारी है, जिससे गौशालाएं अपने उत्पादों की मार्केटिंग कर सकें और आय बढ़ा सकें। पंचगव्य आधारित उत्पादों–जैसे जैविक खाद, प्राकृतिक पेंट, दीया, धूपबत्ती, गोबर के गमले, गो अर्क आदि–के निर्माण हेतु आवश्यक मशीनरी के लिए 101 गौशालाओं को अनुदान दिया गया है। उन्होंने कहा कि पंचगव्य आधारित उत्पादों के अनुसंधान और विकास के लिए पंचकूला स्थित हरियाणा गोवंश अनुसंधान केंद्र की स्थापना की गई है, जो नवाचार और गुणवत्ता सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौशालाओं में गौवंश के स्वास्थ्य की जांच के लिए नियमित पशु चिकित्सक ड्यूटी पर तैनात किए जा रहे हैं। तीन हजार से अधिक गौवंश वाली गौशालाओं में सप्ताह में एक दिन पशु चिकित्सक की ड्यूटी और छोटी गौशालाओं में वीएलडीए की सेवाएं सुनिश्चित की गई हैं। मोबाइल पशु चिकित्सालय की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है। प्रदेश को बेसहारा गौवंश से मुक्त करने के उद्देश्य से दो गौ-अभयारण्यों की स्थापना की गई है, जिनमें हजारों गोवंश को आश्रय देने की क्षमता है। इनके लिए करोड़ों रुपये की राशि जारी की जा चुकी है, जिससे इन गौ-अभयारण्यों में शेड, पानी और चारे की समुचित व्यवस्था की गई है।

गुणवत्ता से समझौता नहीं, वैश्विक मानकों से आगे बढ़ें भारतीय उत्पाद : प्रधानमंत्री

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत को मिले वैश्विक अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता न केवल अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होनी चाहिए, बल्कि उनसे बेहतर भी होनी चाहिए। गुणवत्ता के मामले में किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ह्रआर्थिक विकास को बनाए रखना और मजबूत करनाङ्ख विषय पर आयोजित बजट उपरांत वेबिनार को संबोधित करते हुए उद्योग जगत से अनुसंधान एवं विकास में निवेश बढ़ाने तथा गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि आज जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं पुनर्गठित हो रही हैं और भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था विश्व की आशा बनी हुई है, तब देश के लिए अधिक निर्माण, अधिक उत्पादन, अधिक संपर्क और अब अधिक निर्यात की दिशा में आगे बढ़ना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत ने अनेक देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं, जिससे नए अवसरों के द्वार खुले हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए उद्योगों को अन्य देशों की आवश्यकताओं और वहां के उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं का गहन अध्ययन करना होगा तथा उपयोगकर्ता अनुकूल उत्पाद विकसित करने होंगे। उन्होंने उद्योग, वित्तीय संस्थानों और राज्य सरकारों से समन्वित प्रयासों के माध्यम से जमीनी स्तर पर परिवर्तन लाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विनिर्माण और उत्पादन बढ़ाने, लागत ढांचे को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने, निवेश के प्रवाह को तेज करने तथा देश के दूरस्थ क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान देना होगा। प्रधानमंत्री ने बजट में घोषित बायोफार्मा शक्ति मिशन का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य भारत को जैविक औषधियों और अगली पीढ़ी की चिकित्सा के क्षेत्र में वैश्विक केंद्र बनाना है। उन्होंने स्वच्छ प्रौद्योगिकी में निवेश और कार्बन अवशोषण, उपयोग एवं भंडारण मिशन जैसी पहलों के माध्यम से सतत विकास को व्यापार की मूल रणनीति का हिस्सा बनाने पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि आधारभूत संरचना और परिवहन तंत्र देश की विकास रणनीति के प्रमुख स्तंभ हैं और बजट में पूंजीगत व्यय का रिकॉर्ड प्रावधान इन प्राथमिकताओं को सशक्त करने के लिए किया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गत सप्ताह बजट वेबिनार श्रृंखला का पहला आयोजन अत्यंत सफल रहा और बजट प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अनेक महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए। उन्होंने बड़ी संख्या में विशेषज्ञों और हितधारकों की भागीदारी को लोकतांत्रिक विमर्श का सफल प्रयोग बताया।

ईरान-इजरायल हमले के बीच भारत ने किया अपनी हवाई क्षमता बढ़ाने का ऐलान

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

ईरान पर अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमले के बीच भारत ने अपनी हवाई क्षमता बढ़ाने का ऐलान किया है। सरकार ने भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के लिए छह एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर और नौसेना के लिए जमीन से हवा में वर्टिकल लॉन्च शिटल मिसाइलें खरीदने के लिए कुल 5,083 करोड़ रुपये के करार किए। इस खरीद का मकसद अलग-अलग तरह के हवाई खतरों के खिलाफ अग्रिम युद्धपोतों की वायु रक्षा क्षमता को काफी बढ़ाना है।

भारतीय तटरक्षक बल के लिए समुद्री क्षमता वाले छह एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर मार्क-2 (एएलएच) और नौसेना के लिए जमीन से हवा में मार करने वाली वर्टिकल लॉन्च शिटल मिसाइलें खरीदी जानी हैं। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को दोनों हथियारों की खरीद के लिए कुल 5,083 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रैक्ट साइन किए। यह दोनों करार रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में साउथ ब्लॉक में किए गए। एएलएच मार्क-2 के साथ परिचालन भूमिका उपकरण, एक इंजीनियरिंग सहायता पैकेज और प्रदर्शन आधारित रसद समर्थन का 2,901 करोड़ रुपये का करार हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ किया गया है।

एचएएल के अनुसार इन ट्विन-इंजन हेलीकॉप्टर में अभी चल रहे एयरबोर्न प्लेटफॉर्म से बेहतर लेटेस्ट फीचर्स हैं और ये किनारे पर मौजूद एयरफील्ड के साथ-साथ समुद्र में जहाजों से भी कई तरह के समुद्री सुरक्षा मिशन करने में सक्षम हैं। इनके आईसीजी में शामिल होने से आर्टिफिशियल आइलैंड, ऑफशोर इंस्टॉलेशन, मछुआरों और समुद्री पर्यावरण की जरूरतें पूरी करने की क्षमता बढ़ेगी। इस प्रोजेक्ट में 200 से ज्यादा लघु उद्योगों को फायदा होगा और इससे लगभग 65 लाख मानव श्रम दिवस सृजित होने की उम्मीद है।

सूचना

सिटी दर्पण की तरफ से सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं। चार मार्च 2026 को होली पर सिटी दर्पण कार्यालय में अवकाश रहेगा। पांच मार्च को सिटी दर्पण का अंक प्रकाशित नहीं होगा। अब सिटी दर्पण का अगला अंक छह मार्च 2026 को प्राप्त होगा। –संपादक

होली 2026: जेकेएम वेलफेयर फाउंडेशन के चेयरमैन सत पॉल शर्मा ने देशवासियों को दिया एकता, प्रेम और समृद्धि का विशेष संदेश

चंडीगढ़। जेकेएम वेलफेयर फाउंडेशन के चेयरमैन और सिटी दर्पण समाचार पत्र समूह के संस्थापक श्री सत पॉल शर्मा ने होली के पावन पर्व पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि रंगों का यह त्योहार आपसी भाईचारे को मजबूत करने और समाज में सकारात्मक ऊर्जा भरने का अवसर है। श्री शर्मा ने सभी नागरिकों से सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल होली मनाने की अपील करते हुए कामना की कि यह पर्व सभी के जीवन में खुशियां, समृद्धि और नई उम्मीदों के रंग भर दे।

होली पर प्रीतिश गोयल की खास अपील: युवाओं को दिया नशामुक्त और सकारात्मक समाज बनाने का संदेश

चंडीगढ़। प्रख्यात समाजसेवी और चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रीतिश गोयल ने होली के अवसर पर चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा के निवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि विश्वास, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी को मजबूत करने का भी अवसर है। उन्होंने युवाओं से नशामुक्त और सकारात्मक सोच के साथ त्योहार मनाने का आग्रह किया। गोयल ने कहा कि समाज की प्रगति सामूहिक प्रयासों से ही संभव है और होली हमें इसी एकजुटता की याद दिलाती है। उन्होंने सभी के स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध जीवन की कामना की।

इस वर्ष भी प्रदेश में लगेंगे 35 करोड़ पौधे, पिछले वर्ष हुआ था 37.21 करोड़ पौधरोपण

यूपी को हरित प्रदेश बनाने में जुटी योगी सरकार, 9 वर्ष में प्रदेश में लगाए गए 242 करोड़ से अधिक पौधे

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक तरफ प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाया तो वहीं यूपी की पहचान ह्यहरित प्रदेशह्न के रूप में भी बन रही है। 9 वर्ष में यहां 242 करोड़ से अधिक पौधे रोपे गए। उत्तर प्रदेश का वनाच्छादन भी 559.19 वर्ग किमी. बढ़ा है। पिछले वर्ष सिर्फ एक दिन (9 जुलाई) को ही 37.21 करोड़ पौधे लगाए गए। यही नहीं, रविवार को वाराणसी के सुजाबाद डोमरी क्षेत्र में आयोजित 'वृहद पौधरोपण कार्यक्रम' में मात्र एक घंटे में काशीवासियों ने 2,51,446 पौधों का रोपण किया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के जज ऋषिनाथ ने महापौर अशोक कुमार तिवारी व नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल को प्रमाणपत्र सौंपा। योगी सरकार 2026 में भी 35 करोड़ से अधिक पौधरोपण की तैयारी में जुट गई है।

2017 में सत्ता संभालने के बाद सीएम योगी ने खुद यूपी की हरियाली की चिंता की। 5 जून को पर्यावरण दिवस हो या वषार्काल में पौधरोपण, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं इसकी कमान संभाली। पौधरोपण अभियान के पहले वे खुद कई बार इसकी मीटिंग करते हैं। इसके बाद प्रदेश के विभिन्न जनपदों में पहुंचकर पौधे भी लगाते हैं। योगी सरकार के प्रयास से 9 वर्ष में 242 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए। इससे यूपी का वनाच्छादन में भी वृद्धि हुई। भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट- 2023 के मुताबिक उत्तर प्रदेश का वनाच्छादन भी 559.19 वर्ग किमी. बढ़ा। योगी सरकार ने 1 से 7 जुलाई 2025 के बीच जन्मे 18,348 बच्चों को ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट और उनके अभिभावकों को लकड़ी, फल व सहजन आदि प्रजातियों के पौधे भी प्रदान किए। एक पेड़ मां के नाम अभियान में सराहनीय कार्य को लेकर पीएम मोदी ने भी बधाई दी थी।

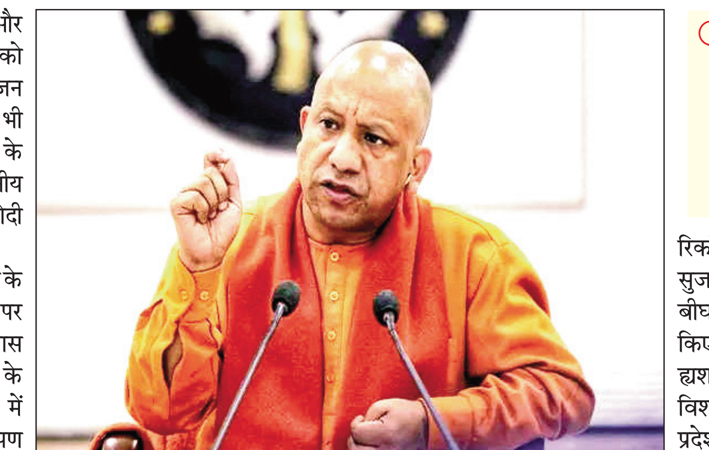

- गांवों में लग रही ग्रीन चौपाल, 15 हजार से अधिक गांवों में हुआ आयोजन

योगी के यूपी ने विश्व के पर्यावरण मानचित्र पर रविवार को नया इतिहास दर्ज किया। वाराणसी के सुजाबाद डोमरी में आयोजित 'वृहद पौधरोपण कार्यक्रम' में मात्र एक घंटे में काशीवासियों ने 2,51,446 पौधों का रोपण कर चीन के आठ साल पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। पीएम मोदी से प्रेरणा लेकर सीएम योगी के कुशल मार्गदर्शन से यह रिकॉर्ड संभव हो सका। सुजाबाद डोमरी के 350 बीघा क्षेत्र में विकसित किए गए इस आधुनिक ह्यशहरी वनह्न ने आज विश्व पटल पर देश और प्रदेश का मान बढ़ाया है। इसके पहले 10 मार्च 2018 को 1,53,981 पौधों का रोपण कर चीन की हेनान प्रांतीय समिति और हेनान शिफांगे ग्रीनिंग इंजीनियरिंग कंपनी ने विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

योगी सरकार वषार्काल-2026 में भी पौधरोपण की तैयारी में जुट गई है। वन व पर्यावरण विभाग की ओर से 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य प्रस्तावित है। पौधशालाओं, विभागों, जनपदों को आगामी दिनों में तैयारी को लेकर निर्देश दिए गए हैं। हाल में प्रस्तुत किए गए बजट में सामाजिक वानिकी योजना के लिए 800 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। पौधशाला प्रबंधन योजना के लिए 220 करोड़ रुपये तथा राज्य प्रतिकारात्मक वन रोपण योजना के लिए 189 करोड़ रुपये की व्यवस्था बजट में प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2030 तक प्रदेश के हरित आवरण को 15 प्रतिशत तक लाने का निर्देश दिया है। यह लक्ष्य तभी हासिल होगा, जब पौधरोपण को जनांदोलन का स्वरूप दिया जा सके। सीएम के विजन को केंद्र में रखते हुए वन विभाग ने गांवों में ग्रीन चौपालों का गठन करने का निर्णय किया और इसके जरिए पर्यावरण संरक्षण में आमजन की भागीदारी भी सुनिश्चित की।

विभिन्न विभागों के सहयोग से प्रत्येक ग्रामसभा स्तर पर अब तक 15000 से अधिक गांवों में चौपाल का गठन/आयोजन किया जा चुका है। ग्रीन चौपाल ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में हो रही है। इसमें सरकार के सभी वर्गों के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। महीने में कम से कम एक बार अनिवार्य रूप से इसकी बैठक की जा रही है।

हिमाचल विस के बजट सत्र का दूसरा चरण 18 से

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू 21 मार्च को सदन में पेश करेंगे बजट

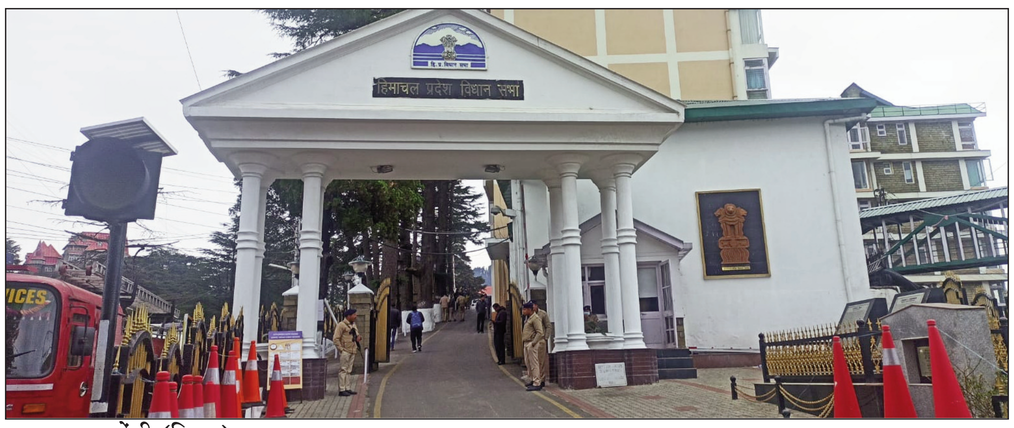

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का दूसरा चरण 18 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। विधानसभा सचिवालय की अधिसूचना के मुताबिक इस चरण में कुल 13 बैठकें प्रस्तावित हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू 21 मार्च को वित्त वर्ष 2026-27 का बजट सदन में पेश करेंगे। सत्र के पहले दिन राज्यपाल द्वारा बजट सत्र के पहले चरण में दिए गए अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाएगा और उसी दिन इस पर चर्चा भी शुरू होगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 20 मार्च को धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया जाएगा। बजट पेश होने के बाद 23 मार्च से बजट अनुमानों पर चर्चा शुरू होगी। सदन में विस्तृत बहस के बाद 30 मार्च को बजट पारित किए जाने का कार्यक्रम तय किया गया है। 31 मार्च को गैर सरकारी कार्य दिवस रखा गया है, जिसमें विधायकों के निजी प्रस्ताव और अन्य गैर सरकारी कामकाज निपटाए जाएंगे। इससे पहले बजट सत्र का पहला चरण 16, 17 और 18 फरवरी को आयोजित किया गया था। दूसरे चरण में सरकार और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक होने की संभावना जताई जा रही है। विपक्षी दल भाजपा विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में है। दूसरी ओर सत्तारूढ़ कांग्रेस भी पलटवार की रणनीति बना रही है और केंद्र सरकार व विपक्ष पर कई मुद्दों, विशेषकर आरडीजी खत्म करने के सवाल पर जवाब देने की तैयारी कर रही है। राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि बजट सत्र के दौरान प्रदेश की वित्तीय स्थिति, विकास योजनाओं, कर्मचारियों से जुड़े मामलों और केंद्र-राज्य संबंधों जैसे मुद्दों पर सदन में जोरदार बहस देखने को मिल सकती है।

मुख्यमंत्री 8 मार्च को नाहन के प्रवास पर

नाहन। 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है जिसमे महिलाओं को सम्मानित किया जाता है। यह दिवस राज्य स्तर पर भी आयोजित किया जाता है और इस बार हिमाचल प्रदेश का राज्य स्तरीय महिला दिवस सिरमौर जिला मुख्यालय नाहन में आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू करेंगे जबकि स्वास्थय मंत्री कर्नल धनी राम शांडिल, उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार सहित नाहन के विधायक अजय सोलंकी भी मौजूद रहेंगे। नाहन में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में निदेशक महिला विकास डॉ पंकज ललित ने विस्तार से जानकारी देते हुए बतायाकि राज्य स्तरीय महिला दिवस पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू अध्यक्षता करेंगे और उल्लेखनीय कार्य करने वाली चयनित महिलाओं को सम्मानित भी करेंगे। चौगान मैदान में हर जिला से से चयनित आंगनबाड़ी वर्करों, सहायक आंगनबाड़ी वर्करों को सम्मानित किया जायेगा। इसके इलावा सरकार की महिला सशक्तिकरण योजना के तहत भी एक लाख की राशि से महिलाओं के उत्थान हेतु कार्यों के लिए भी पुरस्कृत किया जायेगा।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने दी होली की बधाई

शिमला। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल तथा मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने प्रदेशवासियों को होली उत्सव की शुभकामनाएं दीं। शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि रंगों के त्योहार होली का हमारी संस्कृति में विशेष महत्त्व है। उन्होंने आशा जताई कि यह त्योहार आपसी प्रेम और भाईचारे की भावना को सुदृढ़ करेगा तथा प्रदेशवासियों के जीवन में नए रंग भरेगा। सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने अपने बधाई सन्देश में कहा कि होली उत्सव को हर संप्रदाय एवं धर्म के लोग हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं, जिससे सामाजिक सौहार्द को और मजबूत बनाने में सहायता मिलती है। उन्होंने प्रदेशवासियों को इस अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रंगों का यह त्योहार आप सबके जीवन में नई उमंग और उल्लास लेकर आएं।

अंडमान-निकोबार मॉडल से हिमाचल में आइलैंड टूरिज्म विकसित करने की दरकार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

समुद्र के बीच बसा अंडमान-निकोबार द्वीप समूह हर साल लाखों देसी-विदेशी पर्यटकों को अपनी ओर खींचता है। वहां पर्यटक क्रूज, शिप और वॉटर मेट्रो जैसी सुविधाओं के जरिए एक द्वीप से दूसरे द्वीप तक पहुंचते हैं और समुद्री पर्यटन का अलग ही अनुभव लेते हैं।

इसी तर्ज पर हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में भी आइलैंड टूरिज्म को धरातल पर विकसित करने की जरूरत है। बिलासपुर स्थित गोबिंद सागर झील का विशाल जल क्षेत्र और इसके बीच उभरने वाला ज्योरीपत्तन इलाका पर्यटन की दृष्टि से काफी संभावनाएं समेटे हुए है। यह क्षेत्र साल के आठ से नौ महीने तक पानी से ऊपर रहता है, जो पर्यटन गतिविधियों के लिए अनुकूल माना जाता है। जानकारों का कहना है कि यदि यहां योजनाबद्ध तरीके से सुविधाएं विकसित की जाएं, तो पर्यटकों को पहाड़ों के बीच द्वीप जैसा अनुभव मिल सकता है। पर्यटन क्षेत्र से जुड़े जानकार कहते हैं कि किसी भी जल पर्यटन स्थल को सफल बनाने के लिए मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर बेहद जरूरी होता है। अंडमान-निकोबार में द्वीपों के बीच आवाजाही के लिए विकसित वॉटर ट्रांसपोर्ट सिस्टम, आधुनिक जेट्टी, सुरक्षित बोटिंग और हाई-क्लास सुविधाएं पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। वहां एक आइलैंड से दूसरे आइलैंड तक पहुंचने के लिए क्रूज और शिप का सहारा लेना पड़ता है, जो खुद पर्यटकों के लिए बड़ा आकर्षण बन जाता है।

वोटिंग और समुद्री सफर का अनुभव पर्यटन को लगातार गति देता है। हिमाचल में फिलहाल इस तरह की जल परिवहन व्यवस्था सीमित है। विशेषज्ञों का मानना है कि गोबिंद सागर झील में सुनियोजित वॉटर ट्रांसपोर्ट, आधुनिक बोटिंग प्वाइंट, इको-फ्रेंडली कैंपिंग साइट और नेचर ट्रेल जैसी सुविधाएं विकसित की जाएं, तो बिलासपुर एक नए पर्यटन गंतव्य के रूप में उभर सकता है। इससे स्थानीय रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और आसपास की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

राज्य में आने वाले अधिकांश पर्यटक अभी शिमला, मनाली और डलहौजी जैसे पारंपरिक हिल स्टेशनों तक ही सीमित रहते हैं। मैदानी इलाकों से आने वाले सैलानी मुख्य रूप से पहाड़ों की ठंडी जलवायु, बर्फबारी और प्राकृतिक दृश्य देखने यहां पहुंचते हैं। ऐसे में यदि बिलासपुर में अंडमान की तर्ज पर वाटर ट्रांसपोर्ट और आइलैंड टूरिज्म विकसित किया जाता है, तो पर्यटकों को एक नया विकल्प मिलेगा और पर्यटन का दबाव भी अलग-अलग क्षेत्रों में बंट सकेगा।

जयदेवी स्कूल के 82 विद्यार्थियों ने किया खगराओं क्लस्टर का शैक्षणिक भ्रमण

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी जिला के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जयदेवी के 82 विद्यार्थियों ने प्री-वोकेशनल विजिट के अंतर्गत उद्यान विभाग सुंदरनगर द्वारा एचपीशिवा परियोजना के तहत स्थापित खगराओं क्लस्टर का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को कृषि एवं बागवानी क्षेत्र की आधुनिक तकनीकों से अवगत कराना तथा उन्हें करियर के नए अवसरों के प्रति प्रेरित करना रहा। प्रदेश सरकार के अपना विद्यालय झ द हिमाचल स्कूल एडॉप्शन कार्यक्रम के तहत उद्यान विकास अधिकारी डॉ. अनुपमा मैहरा ने विद्यालय को गोद लिया है। इसी क्रम में विद्यार्थियों को समय-समय पर करियर काउंसलिंग और विषयगत मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। भ्रमण के दौरान डॉ. अनुपमा मैहरा ने विद्यार्थियों को विभिन्न फलदार पौधों, उनकी उन्नत किस्मों, रोपण तकनीक, रखरखाव तथा आधुनिक बागवानी पद्धतियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के पास भूमि जैसी महत्वपूर्ण संपदा है, जिसका वैज्ञानिक तरीके से उपयोग कर वे आधुनिक खेती और बागवानी को लाभकारी व्यवसाय बना सकते हैं। उन्होंने युवाओं को सरकारी नौकरियों के साथ-साथ स्वरोजगार और कृषि आधारित उद्यमों की ओर भी ध्यान देने की सलाह दी। विद्यार्थियों को पौधरोपण, खाद प्रबंधन एवं पौधों की देखभाल का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ के सदस्य भी उपस्थित रहे।

महबूबा मुफ्ती ने मुस्लिमों से विश्वासघात करने के लिए ओआईसी को घेरा

श्रीनगर। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमलों पर 'ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन' (ओआईसी) की चुप्पी की कड़ी निंदा करते हुए मंगलवार को कहा कि इस संगठन ने मुस्लिम जगत के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह बेहद चिंताजनक है कि अमेरिका और इजराइल ने ईरान की संप्रभुता पर खुलेआम हमला किया और इस दौरान ओआईसी मूक दर्शक बना हुआ है। ईरान के सर्वोच्च नेता की शहादत पर उसकी चुप्पी और ईरान पर दोष मढ़ने का प्रयास न केवल चिंताजनक है, बल्कि शर्मनाक भी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ईरान पर हुए हमलों की निंदा करने के बजाय ओआईसी ने तेहरान पर दोष मढ़ दिया। ईरान पर इस दुस्साहसी हमले की निंदा करने के बजाय उसने चुप्पी साध ली है और गुप्त रूप से एपस्टीन गिरोह के कार्यों का समर्थन किया है। उन्होंने आगे कहा कि यह मुस्लिम उम्माह की सामूहिक अंतरात्मा और हितों के साथ घोर विश्वासघात है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई शनिवार तड़के अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हवाई हमलों में मारे गए थे।

हिमाचल राज्यसभा चुनावः कांग्रेस कल भरेगी नामांकन, भाजपा भी उतार सकती है उम्मीदवार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। कांग्रेस ने तय किया है कि उसका अधिकृत उम्मीदवार 5 मार्च को नामांकन दाखिल करेगा। उसी दिन नामांकन की अंतिम तारीख भी है। इसलिए पार्टी के भीतर तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

कांग्रेस उम्मीदवार को लेकर दिल्ली में मंथन चल रहा है और आज शाम तक एलान हो सकता है। नामांकन से पहले कांग्रेस विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक 5 मार्च को सुबह 11 बजे बुलाई गई है। यह बैठक हिमाचल प्रदेश विधानसभा के रूलिंग लाउंज में होगी। कैबिनेट मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने बताया कि बैठक मुख्यमंत्री के निर्देश पर तय की गई है और सभी सीएलपी सदस्यों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने को कहा गया है। इस बैठक में राज्यसभा सीट के लिए पार्टी की

रणनीति और उम्मीदवार के नामांकन से जुड़े पहलुओं पर अंतिम सहमति बनने की उम्मीद है। दिल्ली में पार्टी नेतृत्व स्तर पर उम्मीदवार चयन को लेकर लगातार मंथन चल रहा है। जिन नामों पर चर्चा बताई जा रही है उनमें आनंद शर्मा, धनी राम शांडिल, रजनी पाटिल, प्रतिभा सिंह और गोकुल बुटेल शामिल हैं। इसके अलावा कांग्रेस हिमाचल से कोई चौंकाने वाला उम्मीदवार भी घोषित कर सकती है। पार्टी इस बार पिछले अनुभवों को देखते हुए बेहद सतर्क नजर आ रही है और संगठनात्मक एकजुटता के साथ स्थानीय राजनीतिक समीकरणों को ध्यान में रखकर फैसला लेने की तैयारी है। बता दें कि हिमाचल प्रदेश की इस एकमात्र राज्यसभा सीट के लिए मतदान 16 मार्च को प्रस्तावित है। 68 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के पास 40 विधायक हैं, जबकि भाजपा के पास 28 विधायक हैं। संख्या बल के हिसाब से कांग्रेस की स्थिति मजबूत मानी जा रही है, लेकिन पिछली बार के घटनाक्रम ने पार्टी को सतर्क रहने के लिए मजबूर किया है। दरअसल, 2024 के राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस को अप्रत्याशित हार झेलनी पड़ी थी। उस समय पार्टी ने अभिषेक मनु सिंघवी को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन बहुमत होने के बावजूद परिणाम उसके खिलाफ गया और भाजपा के हर्ष महाजन जीत गए थे। उस चुनाव में कांग्रेस के छह और तीन निर्दलीय विधायकों ने भाजपा के पक्ष में मतदान किया था। इस घटनाक्रम ने कांग्रेस नेतृत्व को झटका दिया था और अब पार्टी इस बार किसी भी तरह की चूक से बचना चाहती है।

अमेरिका-इजराइल हमले में खामेनेई की मौत के विरोध में कश्मीर में प्रदर्शनों पर लागू रोक जारी

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के विरोध में कश्मीर घाटी में हुए व्यापक प्रदर्शनों के चलते मंगलवार को लगातार दूसरे दिन सख्त प्रतिबंध लागू है। एक दिन पहले सोमवार को एहतियाती उपायों के तौर पर शिक्षण संस्थान दो दिनों के लिए बंद कर दिया गया और मोबाइल इंटरनेट की गति धीमी कर दी गई।

मंगलवार को कुछ स्थानों पर प्रदर्शनों के हिंसक होने के बाद अधिकारियों ने घाटी में सुरक्षा बलों के सभी काफिलों की आवाजाही रद्द कर दी। तनाव से बचने के लिए उन्होंने मंगलवार को सुरक्षा बलों की कोई भी सड़क खोलने वाली टुकड़ी तैनात न करने का भी निर्णय लिया है। खामेनेई की मौत के बाद सोमवार को जम्मू-कश्मीर में हुए प्रदर्शनों के दौरान छह

सुरक्षाकर्मियों सहित कम से कम 14 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर घाटी के विभिन्न स्थानों पर 75 रैलियां आयोजित की गईं जबकि सोमवार को जम्मू क्षेत्र में भी कुछ प्रदर्शन हुए। अगस्त 2019 के बाद कश्मीर में इतने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन पहली बार हुए हैं। कश्मीर संभागीय प्रशासन ने लोगों से संयम बरतने और अधिकारियों द्वारा जारी सलाह का पालन करने की अपील क एक प्रवक्ता ने कहा, कश्मीर संभागीय प्रशासन घाटी में शांति बनाए रखने और कानून व्यवस्था कायम रखने में सभी समुदायों की भूमिका को स्वीकार करता है। नागरिकों को संयम बरतने, स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी सलाहों का पालन करने और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर केवल सत्यापित जानकारी साझा करने की सलाह दी जाती है। उन्होंने बताया कि सहायता की आवश्यकता वाले किसी भी व्यक्ति के लिए यहां चौबीसों घंटे चलने वाली हेल्पलाइन (0194-2740003) स्थापित की गई है। पुलिस ने भी लोगों से हिंसा और उकसावे से बचने की अपील की। पुलिस ने कहा कि वे हिंसा भड़काने वालों और गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेंगे। सोमवार को अधिकारियों ने एहतियाती उपायों के तहत केंद्र शासित प्रदेश में लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाए, शिक्षण संस्थानों को बंद कर दिया और मोबाइल इंटरनेट की गति धीमी कर दी। अधिकारियों ने लाल चौक स्थित घंटा घर को चारों ओर बैरिकेड लगाकर सील कर दिया है।

कश्मीर संभाग में जल योजनाओं की समीक्षा, समयबद्ध व पारदर्शी क्रियान्वयन पर जोर

जम्मू। जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा ने मंगलवार को कश्मीर संभाग में चल रही पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में पेयजल आपूर्ति और सिंचाई परियोजनाओं की भौतिक व वित्तीय स्थिति का आकलन किया गया। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी परियोजनाएं तय समयसीमा में और पूर्ण पारदर्शिता के साथ पूरी की जाएं। उन्होंने योजना निर्माण से लेकर क्रियान्वयन तक गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया ताकि टिकाऊ और स्थायी आधारभूत ढांचा तैयार हो सके। कुछ क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति में व्यवधान की शिकायतों पर चिंता जताते हुए उन्होंने तत्काल समाधान और शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। आगामी फसल सीजन को देखते हुए नहरों की सफाई, मशीनरी की मरम्मत तथा पारंपरिक कुलों (कुल्हों) की बहाली पर विशेष ध्यान देने को कहा। बाढ़ नियंत्रण तैयारियों की समीक्षा करते हुए मंत्री ने संवेदनशील व बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षात्मक कार्य समय पर पूरा करने और समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर में जल ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है और योजनाओं का लाभ आम जनता तक समय पर पहुंचना चाहिए।

सिरमौर में 1.258 किलो चरस बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

जिला सिरमौर के पुलिस थाना पुरुवाला में मादक पदार्थ तस्करी से जुड़ा एक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस टीम गश्त के दौरान बांगरन चौक के पास मौजूद थी, तभी विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि लक्ष्य नेगी पुत्र नरेश निवासी गांव गोजर अडैन, डाकघर खोदरी, तहसील पांवटा साहिब तथा यश पुत्र ओम प्रकाश निवासी गांव डोण्डली, डाकघर खोदरी, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, वाहन संख्या उ्ल043-7097 में अवैध नशे का कारोबार कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को काबू कर उनके कब्जे से 1.258 किलोग्राम चरस बरामद की। इस संबंध में पुलिस थाना पुरुवाला में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20, 29, 61 और 85 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड हासिल करने की प्रक्रिया में है, ताकि मामले से जुड़े अन्य व्यक्तियों और संभावित रैकेट का भी पदार्फाश किया जा सके। पुलिस अधीक्षक सिरमौर एनएस नेगी ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि जिले में नशे के खिलाफ पुलिस की मुहिम लगातार जारी रहेगी।

प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को मिल रहा सम्मान : यादविंद्र गोमा

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

प्रदेश सरकार खेल और खिलाड़ी को हर हाल में बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे न केवल युवा नशे से दूर रहेंगे बल्कि नशे पर करारी चोट करने के लिए भी सरकार का यह कदम कारगर है। जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र के पंचरुखी में 22वीं अखिल भारतीय डॉ. वाईएस परमार वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मंत्री यादविंद्र गोमा ने यह बात कही। वह इस प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। इस प्रतियोगिता में हरियाणा की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि दूसरे स्थान पर भारतीय सेना और तीसरा स्थान इंडियन नेवी की टीम को मिला। उन्होंने विजेता टीमों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। हिमाचल के खिलाड़ी अन्तरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय खेल प्रतिस्पधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को सम्मान प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने अन्तरराष्ट्रीय खेल विजेताओं की सम्मान राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की है। मंत्री ने कहा कि ओलंपिक, शीतकालीन ओलंपिक तथा पैरालंपिक प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि 3 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपए की गई है।

प्रगति ' राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो देश अच्छा प्रदर्शन करता है'

विकसित भारत तभी संभव है जब हर क्षेत्र का विकास हो: उमर अब्दुल्ला

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज कहा कि 2047 तक विकसित भारत का सपना तभी साकार हो सकता है जब विकास देश के हर कोने तक पहुंचे। उन्होंने जोर देकर कहा कि कुछ राज्यों या क्षेत्रों तक सीमित प्रगति सिर्फ एक सपना और नारा बनकर रह जाएगी।

अब्दुल्ला विकसित भारत के लिए शासन प्रणाली में बदलाव और शासन व्यवस्था में सुधार पर आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। राष्ट्रीय सम्मेलन के नेता ने कहा, सच तो यह है कि विकसित भारत तभी हकीकत बनेगा जब पूरा भारत विकसित होगा। विकसित भारत तब तक हकीकत नहीं बन सकता जब तक यह विकास केवल कुछ राज्यों या क्षेत्रों तक ही सीमित रहे जैसे कि उत्तर में जम्मू और कश्मीर, पूर्व में असम, पश्चिम में गुजरात, तमिलनाडु और केरल। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय सपने को साकार करने के लिए हर क्षेत्र में प्रगति होनी जरूरी है। जब तक हम सभी वह विकास नहीं देखेंगे... यह सिर्फ एक सपना और नारा बनकर रह जाएगा तो पूरा भारत कैसे विकसित होगा? यह इस तरह के सम्मेलनों के माध्यम से विकसित होगा। उन्होंने कहा, विकास जमीनी स्तर से हो, न कि नीचे से नीचे की ओर। अब्दुल्ला ने जमीनी स्तर के विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा, अगर हमारे जिले अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो हमारे राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अच्छा प्रदर्शन करते हैं। अगर हमारे राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो हमारा देश अच्छा प्रदर्शन करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह की सभाएं यह सुनिश्चित करती हैं कि सरकारें पहले से किए गए काम को न दोहराएं और जिलों और राज्यों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में सक्षम हों। बहुत लंबे समय तक हम अलग-थलग रहे, जहां सूचना साझा

करने को प्रोत्साहित करने के बजाय हतोत्साहित किया जाता था। शुक्र है पिछले कुछ वर्षों में हमने अधिक समग्र शासन और बेहतर सहयोग देखा है। अब्दुल्ला ने इस बात पर जोर दिया कि शासन संबंधी चुनौतियों का कोई एक ही समाधान सबके लिए नहीं है। जो एक राज्य में काम करता है, वह दूसरे राज्य में काम नहीं कर सकता। जो जम्मू और कश्मीर में काम करता है वह गुजरात या महाराष्ट्र में काम नहीं कर सकता। लेकिन हम सफल मॉडलों को अपनी स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप ढाल सकते हैं, । उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस और डिजिटल शासन में बदलाव से केंद्र शासित प्रदेश में कार्यकुशलता और पारदर्शिता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। हमने बहुत लंबा सफर तय किया है। आज मुझे शायद ही कभी कोई कागजी फाइल दिखाई देती है। सब कुछ डिजिटल रूप में आता है और इससे जीवन बहुत आसान हो गया है। उन्होने याद करते हुए बताया कि कैसे उनके पिछले कार्यकाल में एक साधारण ईमेल के कारण लगभग एक फुट मोटी फाइल बन जाती थी।

उन्होंने जहां भी संभव हो, ऑफलाइन बैठकों पर जोर दिया और लोगों को कॉल न करने की सलाह दी। अनावश्यक रूप से। कार्यकुशलता पर अब्दुल्ला ने कहा कि यदि हम एकल-खिड़की प्रणाली की बात करते हैं तो इसे वास्तव में एक ही खिड़की के रूप में कार्य करना चाहिए। कभी-कभी एक 'एकल खिड़की' दूसरी खिड़की की ओर ले जाती है, फिर वेंटिलेटर की ओर और अंत में उसके पीछे की दीवार की ओर। यह इस तरह से काम करने के लिए नहीं बनी है।

संक्षिप्त-समाचार

ईरान तनाव के बीच पश्चिमी एशिया में 45 हजार तक हिमाचली, सभी सुरक्षित, सरकार अलर्ट मोड में

शिमला। पश्चिमी एशिया में ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव ने हिमाचल प्रदेश के उन हजारों परिवारों की चिंता बढ़ा दी है, जिनके सदस्य खाड़ी देशों में काम कर रहे हैं। राज्य सरकार के अनुसार अब तक किसी भी हिमाचली के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है और अधिकांश लोग सुरक्षित हैं। सरकार ने स्थिति पर कड़ी नजर बनाए रखते हुए खुद को अलर्ट मोड में रखा है। उद्योग एवं श्रम रोजगार मंत्री हर्ष वर्धन चौहान ने कहा है कि पश्चिमी एशिया में बने हालात को लेकर प्रदेश सरकार लगातार निगरानी कर रही है और केंद्र सरकार के विदेश मंत्रालय के साथ संपर्क में है। उन्होंने बताया कि वर्तमान परिस्थिति कितने समय तक बनी रहेगी, इसे लेकर अभी स्पष्ट जानकारी नहीं है, लेकिन अभी तक हिमाचल के नागरिक सुरक्षित हैं। जानकारी अनुसार पश्चिमी एशिया के विभिन्न देशों दुबई, सऊदी अरब, कतर, कुवैत और ओमान में हिमाचल प्रदेश के करीब 45 हजार लोग कार्यरत हैं। क्षेत्र में बढ़ते तनाव और कुछ जगहों पर एयरस्पेस प्रभावित होने से उनके फंसे होने की आशंकाएं जताई जा रही हैं। मंत्री ने कहा कि अधिकतर लोग अपने परिवारों के संपर्क में हैं और घबराने की कोई जरूरत नहीं है। हर्ष वर्धन चौहान ने कहा कि राज्य सरकार लगातार फीडबैक जुटा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि प्रभावित क्षेत्रों में हिमाचल के कितने लोग मौजूद हैं। अभी सटीक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, लेकिन जिला प्रशासन और संबंधित एजेंसियां लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। उन्होंने बताया कि कई परिवारों ने राज्य सरकार से संपर्क किया है और उन्हें भरोसा दिलाया गया है कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

सुरक्षा उपायों के मद्देनजर श्रीनगर-बारामूला एनएच-44 पर यातायात का मार्ग बदला गया

श्रीनगर। बारामूला पुलिस ने मंगलवार को मौजूदा स्थिति और कई स्थानों पर सार्वजनिक सभाओं की संभावना को देखते हुए एहतियाती उपाय के तौर पर राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के श्रीनगर-बारामूला खंड पर यातायात मार्ग परिवर्तन की घोषणा की। बारामूला पुलिस मीडिया सेल द्वारा जारी एक सलाह के अनुसार यातायात जाम को रोकने और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह मार्ग परिवर्तन किया गया है। इस योजना के तहत बारामूला से श्रीनगर की ओर जाने वाले वाहनों को बारामूला-संग्राम-पुटखाह-चूरा-हाइगम-रेंगी-हमरे-सुंबल-शाल्टेंग-श्रीनगर मार्ग से मोड़ा जाएगा। इसी प्रकार श्रीनगर से बारामूला की ओर जाने वाले वाहन श्रीनगर-शाल्टेंग-सुंबल-हमरे-रेंगी-बारामूला मार्ग का अनुसरण करेंगे। श्रीनगर से तंगमर्ग और गुलमर्ग की ओर जाने वाले वाहनों को श्रीनगर-शाल्टेंग-नारबल-मागम-कुंजर-तंगमर्ग-गुलमर्ग मार्ग अपनाने की सलाह दी गई है। पुलिस ने बताया कि वाहनों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी महत्वपूर्ण चौराहों और डायवर्जन पॉइंट्स पर पर्याप्त यातायात कर्मियों की तैनाती की गई है। प्रभारी यातायात अधिकारियों को डायवर्जन योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एसडीपीओ पट्टन के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया गया है। किसी भी तत्काल सहायता के लिए यात्री हेल्पलाइन नंबर 9596767706 पर संपर्क कर सकते हैं। पुलिस ने आगे कहा कि आम जनता से डायवर्जन योजना का सख्ती से पालन करने और अधिकारियों के साथ सहयोग करने का आग्रह किया गया है।

कश्मीर के सभी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय 7 मार्च तक बंद रहेंगे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में हालात को देखते हुए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने घोषणा की है कि कश्मीर के सभी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय 7 मार्च तक बंद रहेंगे। यह फैसला छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। मंत्री सकीना इटू ने कहा कि घाटी में विरोध-प्रदर्शनों की घटनाओं के बाद एहतियातन सभी शिक्षण संस्थानों को 7 मार्च तक बंद रखने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार हालात पर लगातार नजर रखे हुए है। स्थिति की समीक्षा करने के बाद ही स्कूल और कॉलेज दोबारा खोलने का फैसला किया जाएगा। बता दें कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की संयुक्त अमेरिका-इजराइल हमले में मौत के बाद जम्मू-कश्मीर में व्यापक विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गए थे। इसी के मद्देनजर सरकार ने यह कदम उठाया है। गौरतलब है कि कक्षा 8 तक के स्कूल सोमवार से दो महीने से अधिक की शीतकालीन छुट्टियों के बाद खुलने वाले थे। इससे पहले 23 फरवरी को कश्मीर संभाग और जम्मू संभाग के शीतकालीन क्षेत्रों में 9वीं से 12वीं कक्षा तक के स्कूल करीब 70 दिनों की छुट्टियों के बाद फिर से शुरू हुए थे। सरकार के आदेश के अनुसार, 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 11 दिसंबर 2025 से 22 फरवरी 2026 तक शीतकालीन अवकाश घोषित किया गया था। वहीं प्री-प्राइमरी (बालवाटिका) कक्षाओं के लिए 26 नवंबर से 28 फरवरी 2026 तक और कक्षा 1 से 8 तक के लिए 1 दिसंबर से 28 फरवरी 2026 तक छुट्टियां निर्धारित थीं।

रमजान/होली में बाजारों पर सख्ती, ओवरचार्जिंग व जमाखोरी पर कड़ी चेतावनी

कठुआ। पवित्र माह रमजान और होली के दौरान उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग कठुआ के तहसील सप्लाई अधिकारियों द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बाजार जांच अभियान चलाया गया। निरीक्षण के दौरान आवश्यक वस्तुओं की गुणवत्ता व उपलब्धता, मूल्य सूची की जांच, अधिक वसूली की रोकथाम तथा सरकार द्वारा निर्धारित दरों के पालन की समीक्षा की गई। दुकानदारों और व्यापारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपनी दुकानों पर अद्यतन रेट लिस्ट स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें और लेन-देन में पारदर्शिता बनाए रखें। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों को कड़ी चेतावनी दी गई।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

हरियाणा में वायरल हेपेटाइटिस निगरानी तंत्र को मिलेगा व्यापक स्वरूप

डिजिटल रजिस्ट्री लागू होगी, सरकारी-निजी संस्थानों के लिए साप्ताहिक रिपोर्टिंग अनिवार्य

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के तहत राज्य में वायरल हेपेटाइटिस की निगरानी, रिपोर्टिंग और उपचार मॉनिटरिंग व्यवस्था को व्यापक, लागू करने योग्य और परिणाम-आधारित स्वरूप देने का निर्णय लिया है। स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि नई पहल का उद्देश्य अनुपालन सुनिश्चित करना, रियल-टाइम डाटा एकीकरण स्थापित करना और जांच से उपचार तक की पूरी प्रक्रिया में मौजूद अंतराल को समाप्त करना है।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में रिपोर्टिंग व्यवस्था खंडित है और मुख्यतः सरकारी संस्थानों तक सीमित रही है, जबकि निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम और डायग्नोस्टिक प्रयोगशालाओं की भागीदारी अपेक्षित स्तर पर नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हेपेटाइटिस-बी और सी अधिसूचित रोग हैं, इसलिए निगरानी को पूर्ण, बाध्यकारी और परिणामोन्मुख बनाना आवश्यक है।

नई व्यवस्था के अंतर्गत राज्य के सभी सरकारी और निजी स्वास्थ्य संस्थानों को वायरल हेपेटाइटिस पॉजिटिव मामलों की साप्ताहिक रिपोर्ट निर्धारित प्रारूप में तय समय-सीमा के भीतर देनी होगी। राज्य स्तर से जारी निर्देशों में जिला-वार जिम्मेदारियां निर्धारित की जाएंगी, ताकि डाटा की पूर्णता और शुद्धता सुनिश्चित हो सके। रिपोर्टिंग या कार्यक्रम पर्यवेक्षण में शिथिलता की स्थिति में जवाबदेही तय की जाएगी।

निगरानी को संस्थागत रूप देने के लिए स्वास्थ्य विभाग एक इन-हाउस राज्य डिजिटल हेपेटाइटिस रजिस्ट्री विकसित कर उसे क्रियान्वित करेगा। इसमें मरीजों का आयु, लिंग, ब्लॉक, जिला, जोखिम कारक और विस्तृत लाइन-लिस्टिंग सहित समेकित विवरण दर्ज किया जाएगा।

विशेष रूप से हेपेटाइटिस-बी पॉजिटिव गर्भवती महिलाओं की ट्रैकिंग पर जोर रहेगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि नवजात शिशु को जन्म के 24 घंटे के भीतर हेपेटाइटिस-बी वैक्सीन की बर्थ डोज और एचबीआईजी प्रदान की जाए। आगे के टीकाकरण की पूर्णता की स्थिति भी रजिस्ट्री में दर्ज होगी, ताकि मां से शिशु में संक्रमण (वर्टिकल ट्रांसमिशन) की रोकथाम सुनिश्चित की जा सके।

यह रजिस्ट्री एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम से जोड़ी जाएगी, जिससे केस क्लस्टर और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की समय रहते पहचान संभव हो सके। राज्य स्तर पर समेकित डाटा की नियमित समीक्षा कर देरी और विभिन्न पोर्टलों के बीच दोहराव को समाप्त किया जाएगा।

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का समन्वित एकीकरण

रणनीति के तहत भारत सरकार के [illegible] एमआईएस पोर्टल, [illegible] पोर्टल, इंटीग्रेटेड हेल्थ इन्फॉर्मेशन प्लेटफॉर्म और व-हब्ध पोर्टल सहित मौजूदा डिजिटल प्रणालियों का एकीकरण किया जाएगा। वर्तमान में स्क्रीनिंग, टीकाकरण और उपचार से संबंधित जानकारी अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर दर्ज होती है, जिससे एकीकृत निगरानी में कठिनाई आती है। राज्य ने प्रस्ताव रखा है कि इन प्रणालियों को समन्वित कर स्क्रीनिंग कवरेज, उच्च जोखिम समूहों की ट्रैकिंग, टीकाकरण अनुपालन और उपचार से जुड़ाव की निगरानी को सुगम बनाया जाए। केंद्रीय प्लेटफॉर्म्स की सीमाओं को ध्यान में रखते हुए एक समर्पित राज्य पोर्टल की व्यवहार्यता भी परीक्षणाधीन है। सार्वभौमिक स्क्रीनिंग और उपचार की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बीच मजबूत अभिसरण मॉडल तैयार किया गया है। मातृ स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत सभी गर्भवती महिलाओं की पहली एएनसी विजिट पर हेपेटाइटिस-बी जांच की जाएगी। पॉजिटिव पाए जाने पर उन्हें उच्च जोखिम गर्भावस्था की श्रेणी में रखा जाएगा तथा अनिवार्य परामर्श के साथ परिवार के सदस्यों की स्क्रीनिंग कराई जाएगी। टीकाकरण कार्यक्रम के तहत जिलों को हेपेटाइटिस-बी बर्थ डोज का पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करना होगा। एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत आईसीटीसी, एआरटी और ओएसटी केंद्रों पर आने वाले उच्च जोखिम समूहों की नियमित जांच की जाएगी तथा पात्र व्यक्तियों का टीकाकरण किया जाएगा। रक्त संक्रमण सेवाएं स्क्रीनिंग में पॉजिटिव पाए गए रक्तदाताओं की काउंसलिंग कर उन्हें उपचार सुविधाओं से जोड़ेंगी, ताकि फॉलो-अप में कोई बाधा न रहे।

2026-27 का बजट हरियाणा को ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर ले जाने वाला विकास का रोडमैप: महिपाल ढांडा

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

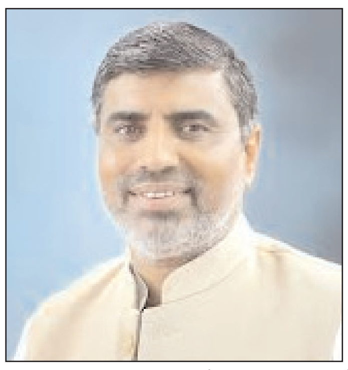

हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने वित्त वर्ष 2026-27 के बजट को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह बजट प्रदेश को विकसित राज्य बनाने की दिशा में मजबूत आधार तैयार करता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा प्रस्तुत 2 लाख 23 हजार 658 करोड़ 17 लाख रुपये का बजट पिछले वर्ष की तुलना में 10.28 प्रतिशत अधिक है, जो सरकार की बढ़ती विकास प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा मंगलवार को जीन्द विश्रामगृह में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस बार 13 बैठकों के माध्यम से 2,199 सुझाव और ए.आई. चैटबॉट से 12,400 सुझाव प्राप्त हुए। इनमें से लगभग 5,000 सुझावों को बजट में शामिल किया है। यह लोकतांत्रिक और पारदर्शी शासन का उदाहरण है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि 250 विद्यालयों को सीएम एक्सीलेंस एण्ड अरली इंग्लिश स्कूल के रूप में विकसित कर 25 करोड़ रुपये की लागत से अटल टिंकरिंग लैब स्थापित होंगी। उन्होंने कहा कि यह बजट शिक्षा को वैश्विक मानकों तक पहुंचाने का संकल्प है। राज्य सरकार का संकल्प है कि हमारे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, बेहतर सुविधाएं मिलें, कौशल विकास हो, खेल के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाए जाएं, ताकि वे आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने बताया कि शिक्षा को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाने के लिए हर 10 किलोमीटर के दायरे में एक मॉडल संस्कृति विद्यालय स्थापित होंगे इसके अलावा 25 राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शुरू किए जा चुके हैं। इसमें हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों से शिक्षा विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध हो पाएगी। इसमें साईंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथेमेटिक्स तथा नवाचार को बढ़ाने के लिए 15 और नई स्टेम लैब स्थापित की जाएगी जिनकी संख्या बढ़ाकर 600 तक की बढ़ाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा में भागीदार बनाने के लिए फ्रेंच भाषा के साथ-साथ अब जर्मन और जापानी भाषाओं के शिक्षण की सुविधा भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि 3 हजार 328 उच्च वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में खेल मैदानों को विकसित करने के लिए प्रति स्कूल में एक लाख रुपये की राशि से खेल सामान, ट्रैक व मैदान दुरुस्त करने का कार्य किया जाएगा। आगामी नवंबर माह तक लगभग सभी सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए ड्यूल डेस्क व टाट-पट्टी की सुविधा हेतु 200 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने के लिए सुपर 100 योजना में 400 बच्चों तक लाभ दिया जाएगा। बच्चों की प्रतिभा को और अधिक निखारने के लिए लगभग साढ़े तीन हजार से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक भ्रमण पर भेजने का प्रस्ताव किया गया है।

हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने राज्य के लोगों को होली की बधाई दी

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ

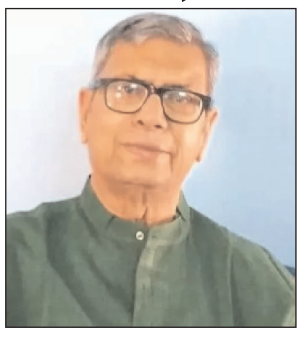

हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने होली के खुशी के मौके पर हरियाणा और देश के लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

राज्यपाल प्रोफेसर घोष ने कहा कि रंगों का त्योहार होली, खुशी, मेलजोल और नकारात्मक पर अच्छी भावना की जीत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह त्योहार भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दिखाता है और अलग-अलग प्रांत के लोगों के बीच भाईचारे और आपसी सम्मान के बंधन को मजबूत करता है।

प्रोफेसर घोष ने नागरिकों से अनेकता में एकता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की भावना के साथ त्योहार मनाने का आग्रह किया, जो देश के लोकतंत्र और सामाजिक मूल्यों की नींव है। उन्होंने कहा कि होली जैसे त्योहार मतभेदों से ऊपर उठने और सामाजिक मेलजोल और राष्ट्रीय एकता के प्रति सामूहिक एकता को मजबूत करने का मौका देते हैं।

उन्होंने उम्मीद जताई कि यह शानदार त्योहार हर घर में खुशहाली, अच्छी सेहत और खुशियां लाएगा और हरियाणा सहित पूरे देश में एकता की भावना को और मजबूत करेगा।

ऐतिहासिक होगा अग्रवाल वैश्य समाज का प्रदेशस्तरीय अधिवेशन: विनोद सिंगला

सिटी दर्पण संवाददाता

कैथल

- अधिवेशन उपरांत सद्गुरू रितेश्वर महाराजा के सान्निध्य में होगा होली मिलन समारोह : सुभाष तायल
- संगठन की आगामी दिशा तय करेगा द्विवार्षिक चुनाव : पवन अग्रवाल

अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा का आगामी 7 मार्च को वृंदावन में आयोजित होने वाला प्रदेशस्तरीय अधिवेशन ऐतिहासिक होने जा रहा है। ये जानकारी देते हुए समाज के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष विनोद सिंगला ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला की अध्यक्षता में भगवान श्रीकृष्ण की लीलाभूमि वृंदावन के दिल्ली श्रीधाम रुक्मणी विहार में आयोजित होने वाले इस अधिवेशन की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई। उन्होंने बताया कि अधिवेशन में प्रदेशभर की नब्बे विधानसभाओं से समाज के पदाधिकारी एवं सदस्यगणों ने अपना पंजीकरण सुनिश्चित करवाया है। भारी संख्या में हुए पंजीकरणों को देखकर स्वतः ही अंदाजा लगाया जा रहा है कि इस आयोजन के प्रति वैश्य समाज में कितना उत्साह है। उन्होंने बताया कि अधिवेशन में पहुंचने वाले सभी वैश्यजनों के लिए आवास एवं भोजन जैसी सभी आवश्यक जरूरतों को पूरा कर लिया गया है और ये सुनिश्चित किया गया है कि वृंदावन में पहुंचने वाले सभी अतिथियों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या का सामना न करना पड़ें। उन्होंने बताया कि आयोजन की सफलता के लिए भी सभी पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां भी सौंप दी गई है। उन्होंने बताया कि अधिवेशन के पश्चात प्रतिभागियों को वृंदावन धाम के प्रमुख धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन भी करवाए जाएंगे, जिससे सामाजिक विमर्श के साथ-साथ आध्यात्मिक अनुभूति का भी अवसर प्राप्त होगा।

आयोजन में पहुंचने वाले अतिथियों की जानकारी देते हुए प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुभाष तायल ने बताया कि अधिवेशन के पश्चात रंग रस एवं होली मिलन समारोह भी आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस समारोह में श्री रामकृष्ण इंटरनेशनल के अध्यक्ष स्वामी गुरू पूज्य महेन्द्र दास जी महाराज बतौर मुख्यातिथि अपना पावन सान्निध्य प्रदान करेंगे तथा इससे पूर्व अधिवेशन में अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन प्रदीप मित्तल, उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष रविकांत गर्ग, राष्ट्रीय जनउद्योग व्यापार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित गुप्ता, बनारसी दास गुप्ता फाउंडेशन के अध्यक्ष अजय गुप्ता, भाजपा नेता पंकज जैन, युवा नेता एवं समाजसेवी नवीन गोयल, उद्योगपति एवं समाजसेवी वासूदेव गर्ग, राष्ट्रीय नवचेतना मंच के अध्यक्ष विजय सोमाणी बतौर अतिथि अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे। उन्होंने बताया कि संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ-साथ भविष्य की कार्ययोजनाओं पर गहन चर्चा की जाएगी। अग्रवाल वैश्य समाज का ये अधिवेशन न केवल संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव सिद्ध होगी, बल्कि समाज के भविष्य की रूपरेखा तय करने में भी मील का पत्थर साबित होगी। वैश्य समाज के लिए यह आयोजन एकता, चिंतन और नवसंकल्प का सशक्त मंच बनेगा।

कार्यकारी अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने बताया कि अधिवेशन के दौरान संगठन का 9वां द्विवार्षिक चुनाव भी संपन्न कराया जाएगा। चुनाव प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता एवं लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप संपन्न की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश महामंत्री पद के लिए चुनाव होगा। चुनाव के माध्यम से संगठन को नेतृत्व मिलेगा, जो आगामी दो वर्षों तक समाज की गतिविधियों का संचालन करेगा।

उन्होंने कहा कि यह चुनाव समाज के लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त करने और नेतृत्व को नई ऊर्जा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

संक्षिप्त-समाचार

आवासीय, व्यावसायिक, संस्थागत संपत्तियों और बहु-मंजिला अपार्टमेंट की ई-नीलामी करेगा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण

चंडीगढ़। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा 18 से 21 मार्च, 2026 तक आवासीय, व्यावसायिक, संस्थागत संपत्तियों और बहु-मंजिला अपार्टमेंट की ई-नीलामी की जाएगी हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के प्रवक्ता ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि प्राधिकरण द्वारा सभी जोनस की आवासीय व व्यावसायिक साईट्स (प्रेफरेंशियल), नर्सिंग होम साईट्स, क्लिनिक साईट्स व सभी स्कूल साईट्स के लिए 18 मार्च को नीलामी की जाएगी। इसी प्रकार, गुरुग्राम और रोहतक जोन के आवासीय व व्यावसायिक साईट्स (सामान्य) के लिए 19 मार्च को नीलामी की जाएगी। जिला फरीदाबाद, हिसार और पंचकूला जोन के आवासीय व व्यावसायिक साईट्स (सामान्य) हेतु 20 मार्च, 2026 को नीलामी की जाएगी। उन्होंने बताया कि सभी जोनस की प्रमुख स्थलों (मेजर साईट्स) जैसे कि व्यावसायिक, होटल, अस्पताल, संस्थागत तथा बहु-मंजिला इमारत स्थलों के लिए ई-नीलामी 21 मार्च, 2026 को की जाएगी। प्रवक्ता ने बताया कि ई-नीलामी नीति 19 सितम्बर, 2025 की धारा संख्या-4 में संशोधन के अनुसार, मेजर साईट्स के लिए अब सिर्फ न्यूनतम तीन ईएमडी अनिवार्य होंगी, जिसकी नीलामी 21 मार्च, 2026 की जाएगी। उन्होंने बताया कि ई-नीलामी सुबह 10 बजे शुरू की जाएगी। स्थलों की पूरी जानकारी और ई-नीलामी की नियम और शर्तें हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। आने वाली ई-नीलामी की अधिक जानकारी प्राधिकरण की वैबसाइट तथा हेल्पलाइन नंबर 1800-180-3030 पर प्राप्त की जा सकती है।

पंचकूला के बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों के निवारण हेतु बैठक 5 मार्च को

चंडीगढ़। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम परिचालन परिमंडल पंचकूला के उपभोक्ताओ की बिजली से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए 5 मार्च को सी.जी.आर.एफ. के कार्यालय पंचकूला में बैठक आयोजित की जाएगी। बिजली निगम के एक प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बैठक में बिजली से संबंधित समस्याएं जिनका स्थानीय अधिकारियों एसडीओ व एक्सईएन से मिलने के उपरांत भी कोई समाधान नहीं हो पा रहा है, ऐसे सभी उपभोक्ता अपनी समस्याओं को इस फोरम के समक्ष रख सकते हैं। यहां केवल पंचकूला के उपभोक्ताओं की बिजली से संबंधित शिकायत का निवारण किया जाएगा। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं का आह्वान किया कि फोरम के समक्ष निर्धारित तिथि पर बिजली से संबंधित समस्याओं व शिकायतों का शीघ्र निपटारा करवाएं। उन्होंने बताया कि इस दौरान विशेषकर बिजली चोरी और कोर्ट केस से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्याओं एवं शिकायतों पर फोरम द्वारा विचार नहीं किया जाएगा।

केयू के पूर्व छात्र डॉ. अरविंद कुमार हरियाणा विज्ञान रत्न पुरस्कार से हुए सम्मानित, कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने दी बधाई

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग के पूर्व छात्र डॉ. अरविंद कुमार को हरियाणा सरकार द्वारा वर्ष 2022 के लिए प्रतिष्ठित हरियाणा विज्ञान रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें हरियाणा के माननीय राज्यपाल महामहिम प्रो. असीम कुमार घोष एवं शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा द्वारा प्रदान किया गया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने भावनगर स्थित सीएसआईआर में सीनियर प्रिंसिपल साइंटिस्ट एवं विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र डॉ. अरविंद कुमार को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र इस संस्थान के सच्चे ब्रांड एम्बेसडर होते हैं। उनकी उपलब्धियां न केवल संस्थान का नाम रोशन करती हैं, बल्कि वर्तमान विद्यार्थियों को भी प्रेरणा देती हैं।

कला सृष्टि मंच का होली के रंग अपनों के संग कार्यक्रम बना यादगार उत्सव

सिटी दर्पण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

नगर की कला और संस्कृति को समर्पित संस्था कला सृष्टि मंच द्वारा होली के पावन अवसर पर होली के रंग अपनों के संग एक भव्य एवं उल्लासपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन रेलवे रोड स्थित एक निजी होटल में किया गया। कार्यक्रम में नगर के प्रतिष्ठित परिवारों के सदस्यों, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से वातावरण को रंगमय बना दिया। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक फाग गीतों और रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ हुई। वरिष्ठ सदस्यों एवं महिलाओं ने होली के पारंपरिक गीतों, नृत्य एवं समूह प्रस्तुतियों के माध्यम से आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया। मंच पर प्रस्तुत हर कार्यक्रम ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया और पूरे सभागार में उल्लास एवं आत्मीयता का वातावरण छा गया। संस्था के अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय कलाकार बृज किशोर शर्मा ने कहा कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि रिश्तों को स्नेह के रंग से सराबोर करने का अवसर है। होली के रंग अपनों के संग जैसे आयोजन समाज में अपनत्व, एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को सशक्त बनाने का माध्यम बनते हैं। कार्यक्रम में संस्था के संरक्षक जय भगवान सिंगला, नीरज आश्री, सुरेंद्र सीकरी, रश्मि सीकरी, सुरेखा, सत्य भूषण, दीपक कौशिक, अनिल वधावन, सहदेव शर्मा, विभा अग्रवाल, डा. सुचिस्मिता शर्मा, दमन शर्मा, नूपुर शर्मा, राजेश सिंगला, सुनील दत्त शर्मा, डा. कर्ण शर्मा, कमला अरोड़ा, रमा शर्मा, मंजू सिंगला, संजीव रिंकू छाबड़ा, भावना शर्मा, सुशील कुमार, डा. शालिनी शर्मा, जयश्री सोनी, डा. बिंदिया, साक्षी गौतम, रमन कान्ता शर्मा, अनिल कपूर, कमल अरोड़ा, नमिता कौशिक, आशी खेत्रपाल, सुदेश मदान, गोल्डी मैडम इत्यादि ने होली के गीतों एवं नृत्य से सभी उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया एवं नृत्य के लिए बाध्य कर दिया। जिससे कार्यक्रम में धमाल मचा दिया। अंत में सभी ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। पूरा आयोजन रंग, संगीत और आत्मीयता का सुंदर संगम रहा, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि जब कला और संस्कृति एक मंच पर मिलते हैं तो समाज में सकारात्मक ऊर्जा और प्रेम का संचार होता है।

केयू के पूर्व छात्र डॉ. अरविंद कुमार हरियाणा विज्ञान रत्न पुरस्कार से हुए सम्मानित, कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने दी बधाई

सिटी दर्पण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग के पूर्व छात्र डॉ. अरविंद कुमार को हरियाणा सरकार द्वारा वर्ष 2022 के लिए प्रतिष्ठित हरियाणा विज्ञान रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें हरियाणा के माननीय राज्यपाल महामहिम प्रो. असीम कुमार घोष एवं शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा द्वारा प्रदान किया गया।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने भावनगर स्थित सीएसआईआर में सीनियर प्रिंसिपल साइंटिस्ट एवं विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र डॉ. अरविंद कुमार को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र इस संस्थान के सच्चे ब्रांड एम्बेसडर होते हैं। उनकी उपलब्धियां न केवल संस्थान का नाम रोशन करती हैं, बल्कि वर्तमान विद्यार्थियों को भी प्रेरणा देती हैं।

लोक संपर्क विभाग के निदेशक प्रोफेसर महासिंह पूनिया ने बताया कि विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्य स्तर पर सम्मान मिला है। उन्होंने बताया कि डॉ. अरविंद कुमार ने वर्ष 1994 में रसायन विज्ञान में एम.एससी. की उपाधि प्राप्त की थी तथा प्रोफेसर अमलेन्दु पाल के निर्देशन में वर्ष 1999 में अपना शोध कार्य पूर्ण किया था।

डॉ. अरविंद कुमार ने इस सम्मान के लिए हरियाणा सरकार एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे पुरस्कार वैज्ञानिकों को अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में और अधिक उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं।

रसायन विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर संजीव अरोड़ा, प्रोफेसर अमलेन्दु पाल, विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ज्ञान प्रकाश दूबे एवं अन्य शिक्षकों ने भी डॉ. अरविंद कुमार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

फरीदाबाद में लगेंगे तीन आधुनिक सीईटीपी

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ

- 926.96 करोड़ की परियोजना से औद्योगिक अपशिष्ट जल प्रबंधन होगा सुदृढ़

हरियाणा सरकार ने पर्यावरणीय अवसंरचना को सुदृढ़ करने तथा सतत औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के मकसद से फरीदाबाद में तीन आधुनिक सांझा अपशिष्ट जल शोधन संयंत्र (सीईटीपी) स्थापित करने का निर्णय लिया है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य औद्योगिक अपशिष्ट जल का वैज्ञानिक तरीके से उपचार सुनिश्चित करना तथा तीव्र गति से विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्रों में पर्यावरणीय मानकों में सुधार लाना है। प्रस्तावित तीन संयंत्रों में गांव बादशाहपुर में 15 एमएलडी, गांव प्रतापगढ़ में 50 एमएलडी तथा गांव मिर्जापुर में 25 एमएलडी क्षमता का संयंत्र शामिल है। हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम द्वारा इन तीनों परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत कर दी गई है। परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 926.96 करोड़ रुपये है। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में आज यहां हुई एक बैठक में इस सम्बन्ध में वित्तीय प्रावधानों की समीक्षा की गई। बैठक में परियोजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन हेतु विस्तृत व्यय-साझेदारी व्यवस्था को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि पूंजीगत व्यय का वहन संयुक्त रूप से किया जाएगा। इसमें से 50 प्रतिशत राशि नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग द्वारा जबकि शेष 50 प्रतिशत राशि समान रूप से हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम तथा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा 25-25 प्रतिशत के अनुपात में वहन की जाएगी।

संचालन व्यय के संबंध में निर्णय लिया गया कि प्रारंभिक रूप से संचालन लागत एचएसआईआईडीसी द्वारा वहन की जाएगी। इसके पश्चात इस व्यय की प्रतिपूर्ति प्रतिवर्ष नगर निगम फरीदाबाद, फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण, एचएसआईआईडीसी तथा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा 25-25 प्रतिशत के अनुपात में की जाएगी।

विकसित हरियाणा विकसित भारत के विजन के दृष्टिगत बजट: डॉ. अरविंद शर्मा

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ

- सहकारिता क्षेत्र को बड़ी सौगात, 70.36 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ 1970 करोड़ का प्रावधान
- पर्यटन को बढ़ावा, पिंजौर में फिल्म सिटी, पिंजौर, मानेसर व खरखौदा में वेडिंग सिटी

हरियाणा के सहकारिता, निर्वाचन, जेल, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने वर्ष 2026-27 के बजट को प्रदेश के सर्वांगीण विकास, ग्रामीण सशक्तिकरण और सहकारिता क्षेत्र के उत्थान के लिए ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी बताया है। यह बजट विकसित हरियाणा-विकसित भारत के विजन के दृष्टिगत बनाया गया है।

डॉ. अरविंद शर्मा स्थानीय बीजेपी प्रदेश कार्यालय मंगल कमल में बजट पर चर्चा विषय पर प्रेस वार्ता कर रहे थे। उन्होंने प्रदेशवासियों को पावन त्योहार होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्योहार सभी के जीवन में खुशियां व हरियाली लेकर आये।

उन्होंने कहा कि इस बार का बजट जनभागीदारी पर आधारित है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बजट तैयार करते समय समाज के विभिन्न वर्गों से बजट पूर्व संवाद किया है। प्रदेश सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण को महत्व देते हुए वायु क्लीनिंग के लिए 2716 करोड़ रुपये का बजट में प्रावधान किया गया है। नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए 5715 करोड़ रुपये आबंटित किए गए है।

निर्वाचन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प में हरियाणा की भागीदारी मिल का पत्थर साबित होगी। शुगर फैड का विकसित भारत में विशेष योगदान रहेगा। भाजपा के नेतृत्व में सरकार संकल्प लेती है तथा विपक्षी पार्टियां केवल घोषणाएं करती है। सरकार द्वारा विधानसभा चुनाव के दौरान किये गए 217 संकल्पों में से 60 संकल्प पूर्ण किए जा चुके है। किसानों को सीधी बिक्री के लिए ग्रामीण हाट स्थापित होंगे, जिन्हें मंडियों से जोड़ा जाएगा।

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश की 804 पैक्स को सशक्त किया जाएगा तथा 300 पैक्स को लाभ में लाने का लक्ष्य रखा गया है। पैक्स में 25 तरह के कार्य किए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 6 वीटा प्लांट कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 2000 नए वीटा बूथ खोले जाएंगे, जिनमें महिलाओं को 20 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पिंजौर में आधुनिक फिल्म सिटी और पिंजौर, मानेसर और खरखौदा में वेडिंग सिटी विकसित की जाएगी, जिनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा उपलब्ध होगी। प्रदेश में तीन लाख लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। गुरुग्राम में महिलाओं के कौशल विकास के लिए नारी मंडपम की स्थापना की जाएगी। सरकार द्वारा केंद्र सरकार के सहकारिता विभाग द्वारा शुरू की गई भारत टैक्सी की तर्ज पर पिंक कैब की शुरूआत की जाएगी, जिसमें महिलाओं को प्रशिक्षण के अलावा वाहन खरीद के लिए 10 लाख रुपये का ऋण उपलब्ध करवाया जायेगा। महिलाओं को एक प्रतिशत रोड़ टैक्स में भी छूट प्रदान की जाएगी। प्रदेश में 7 महिला थाने एवं चार साइबर थाने और खोले जायेंगे।

कारागार मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा एआई को बढ़ावा देने के लिए 774 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। प्रदेश एक लाख युवाओं को एआई का प्रशिक्षण दिया जायेगा। महिलाओं में गर्भाशय के कैंसर की रोकथाम के लिए एचपीवी वैक्सीन लगाई जाएगी। प्रदेश में तीन लाख बेटियों के टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया है। लाडो लक्ष्मी योजना का विस्तार किया जायेगा। बिजली की आवश्यकता पूरी करने के लिए सोलर प्लांट की व्यवस्था पर बल दिया जा रहा है। प्रदेश में मोबाइल पशु चिकित्सा यूनिट स्थापित की जा रही है।

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा सीवरेज के 140 करोड़ सरचार्ज को माफ किया गया है। शहरों में इलेक्ट्रिक बसों की सुविधा बढ़ाई जाएगी तथा लड़कियों के लिए विशेष बसों की व्यवस्था की जाएगी। राखीगढ़ी को पर्यटन के हब के रूप में विकसित किया जायेगा। प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा देते हुए तहसील व जिला स्तर पर स्थित नागरिक अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाया जा रहा है। प्रदेश में 70 वर्ष से ज्यादा के नागरिकों की निशुल्क स्वास्थ्य जांच का प्रावधान किया गया है। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट सहकार से समृद्धि के संकल्प को साकार करने वाला है और हरियाणा को विकास के नए आयामों तक पहुंचाएगा।

संपादकीय

वैश्विक दबाव के बावजूद भारत का निर्णायक कदम: 5,083 करोड़ की रक्षा डील

अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक दबाव और संभावित प्रतिबंधों की आशंकाओं के बीच भारत ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि उसकी रक्षा नीति राष्ट्रीय हितों पर आधारित है, न कि बाहरी दबावों पर। रूस के साथ नई मिसाइल डील और साथ ही स्वदेशी एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (ए एल एच) पर भरोसा जताते हुए रक्षा मंत्रालय द्वारा कोस्ट गार्ड के लिए छह अतिरिक्त हेलीकॉप्टरों के अनुबंध पर हस्ताक्षर, इसी रणनीतिक संतुलन का संकेत देते हैं। कुल 5,083 करोड़ रुपये के इन दो अलग-अलग समझौतों में से 2,182 करोड़ रुपये मिसाइल प्रणाली के लिए और 2,901 करोड़ रुपये हेलीकॉप्टरों के लिए निर्धारित किए गए हैं। यह कदम न केवल भारत की सुरक्षा जरूरतों को मजबूत करता है, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को भी नई गति देता है। भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग कोई नया विषय नहीं है। दशकों से रूस भारत का प्रमुख रक्षा साझेदार रहा है। भले ही वैश्विक परिदृश्य में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने मॉस्को पर व्यापक प्रतिबंध लगाए हों, लेकिन नई दिल्ली ने अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखी है। भारत का रुख स्पष्ट रहा है कि उसकी रक्षा आवश्यकताओं और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े निर्णय किसी तीसरे देश की राजनीतिक प्राथमिकताओं से प्रभावित नहीं होंगे। मिसाइल डील इसी नीति की निरंतरता का उदाहरण है। रूस के साथ यह नया समझौता ऐसे समय में हुआ है जब कुछ पश्चिमी देशों की ओर से संभावित प्रतिबंधों की चर्चाएँ समय-समय पर उठती रही हैं। हालांकि भारत पहले भी स्पष्ट कर चुका है कि वह अपने रक्षा सौदों में विविधता लाने के साथ-साथ पारंपरिक साझेदारों के साथ संबंध बनाए रखेगा। भारत ने अमेरिका, फ्रांस और इजरायल जैसे देशों से भी रक्षा खरीद बढ़ाई है, लेकिन रूस के साथ संबंधों को पूरी तरह समाप्त करना न तो व्यावहारिक है और न ही रणनीतिक दृष्टि से उचित। भारतीय सशस्त्र बलों के बड़े हिस्से के प्लेटफॉर्म और सिस्टम रूसी मूल के हैं, जिनके रखरखाव, अपग्रेड और स्पेयर पार्ट्स के लिए सहयोग आवश्यक है। मिसाइल सौदे का महत्व केवल वित्तीय आंकड़ों तक सीमित नहीं है। 2,182 करोड़ रुपये की इस डील से भारत की सामरिक क्षमता में वृद्धि होगी। मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों–चाहे वे उत्तरी सीमाओं से जुड़ी हों या समुद्री क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियां–के मद्देनजर आधुनिक और विश्वसनीय मिसाइल प्रणालियों की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में यह सौदा रक्षा तैयारी को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। दूसरी ओर, 2,901 करोड़ रुपये का अनुबंध स्वदेशी एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर के लिए है, जिसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एच ए एल) ने विकसित किया है। रक्षा मंत्रालय द्वारा कोस्ट गार्ड के लिए छह अतिरिक्त हेलीकॉप्टरों का ऑर्डर देना यह दर्शाता है कि सरकार स्वदेशी रक्षा उत्पादन पर भरोसा बढ़ा रही है। ए एल एच पहले से ही थलसेना, वायुसेना और नौसेना में विभिन्न भूमिकाओं में उपयोग किया जा रहा है। अब कोस्ट गार्ड के बेड़े में इसकी संख्या बढ़ने से समुद्री निगरानी, खोज और बचाव अभियान तथा तटीय सुरक्षा को मजबूती मिलेगी। भारतीय समुद्री सीमाएं व्यापक और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और समुद्री गतिविधियों को देखते हुए कोस्ट गार्ड की भूमिका और भी अहम हो गई है। तस्करी, अवैध मछली पकड़ने, समुद्री डकैती और आपदा प्रबंधन जैसे कार्यों में उन्नत हेलीकॉप्टर बड़ी भूमिका निभाते हैं। ए एल एच का चयन यह भी दर्शाता है कि स्वदेशी प्लेटफॉर्म अब जटिल समुद्री परिस्थितियों में भी विश्वसनीय माने जा रहे हैं। यहां एक महत्वपूर्ण पहलू 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' की नीति से जुड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने रक्षा क्षेत्र में घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए कई सुधार किए हैं। रक्षा खरीद प्रक्रिया में बदलाव, निजी क्षेत्र की भागीदारी और निर्यात को बढ़ावा देने की रणनीति इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं। ए एल एच जैसे प्लेटफॉर्म न केवल घरेलू जरूरतों को पूरा करते हैं, बल्कि रक्षा निर्यात के अवसर भी पैदा करते हैं। भारत पहले ही कुछ देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात कर चुका है और भविष्य में यह क्षेत्र विदेशी मुद्रा अर्जन का प्रमुख स्रोत बन सकता है। इन दोनों समझौतों को साथ रखकर देखा जाए तो भारत की रक्षा नीति का दोहरा आयाम सामने आता है–एक ओर पारंपरिक साझेदारों के साथ रणनीतिक सहयोग बनाए रखना और दूसरी ओर स्वदेशी क्षमताओं को सुदृढ़ करना। यह संतुलन भारत को वैश्विक राजनीति में स्वतंत्र और प्रभावी भूमिका निभाने में मदद करता है। नई दिल्ली न तो किसी गुट का हिस्सा बनने की जल्दी में है और न ही अपने हितों से समझौता करने के मूड में। आर्थिक दृष्टि से भी 5,083 करोड़ रुपये के ये अनुबंध घरेलू रक्षा उद्योग के लिए सकारात्मक संकेत हैं। हेलीकॉप्टर निर्माण से जुड़े सप्लाई चेन, एमएसएमई और तकनीकी कंपनियों को इसका लाभ मिलेगा। इससे रोजगार सृजन और तकनीकी कौशल विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल आयात में कमी नहीं, बल्कि देश में उच्च स्तरीय तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण भी है। हालांकि आलोचकों का तर्क है कि रूस के साथ रक्षा सौदे संभावित भू-राजनीतिक जोखिमों को जन्म दे सकते हैं, लेकिन भारत ने अब तक बहुपक्षीय संतुलन की नीति अपनाकर ऐसे जोखिमों को सीमित रखा है। अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी, क्वाड जैसे मंचों में भागीदारी और साथ ही रूस के साथ ऐतिहासिक संबंध–यह सब मिलकर भारत को एक 'मल्टी-अलाइनमेंट' की नीति अपनाने में सक्षम बनाते हैं। अंततः, रूस के साथ मिसाइल डील और स्वदेशी ए एल एच के लिए नया अनुबंध यह संकेत देते हैं कि भारत की प्राथमिकता अपनी रक्षा तैयारी को मजबूत करना है। संभावित प्रतिबंधों की आशंकाएं हों या वैश्विक दबाव, राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक स्वायत्तता सर्वोपरि हैं। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत किस तरह अपने पारंपरिक सहयोगियों और नए साझेदारों के बीच संतुलन बनाते हुए रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और वैश्विक भूमिका दोनों को सुदृढ़ करता है। फिलहाल इतना स्पष्ट है कि नई दिल्ली ने अपने निर्णयों से यह संदेश दे दिया है कि उसकी रक्षा नीति का आधार राष्ट्रीय हित, तकनीकी सुदृढ़ीकरण और दीर्घकालिक रणनीतिक सोच है।

अमर शहीद लाला हरदयाल: त्याग और तप के प्रतीक

योगेश कुमार गोयल (हि.स)

4 मार्च का दिन भारतीय इतिहास के उस पन्ने की याद दिलाता है, जो शौर्य, विद्वत्ता और क्रांति के अद्भुत संगम से रचित है। इसी दिन मां भारती के एक ऐसे सपूत ने इस नश्वर संसार को त्याग दिया था, जिसने अपनी कुशाग्र बुद्धि को विलासिता का साधन बनाने के बजाय स्वतंत्रता की वेदी पर समिधा बना दिया था। लाला हरदयाल, एक ऐसा नाम, जो सुनते ही सैन फ्रांसिस्को के तटों से उठी गदर की लहरें और लाहौर की बौद्धिक चेतना एक साथ जीवंत हो उठती हैं। वे केवल एक क्रांतिकारी नहीं थे बल्कि एक ऐसे मनीषी थे, जिन्होंने कलम और विचार को तलवार से अधिक धारदार बना दिया था।

14 अक्टूबर 1884 को दिल्ली के एक साधारण परिवार में जन्मे हरदयाल माथुर बचपन से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। उनकी मेधा का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि सेंट स्टीफेंस कॉलेज से संस्कृत में स्नातक और फिर सरकारी वजीफे पर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय जाने तक उनकी शैक्षणिक यात्रा स्वर्णाक्षरों में लिखी गई। लेकिन जिस समय अन्य युवा ब्रिटिश हुकूमत की चाकरी कर ऊंचे पदों के स्वप्न देख रहे थे, उस समय हरदयाल के भीतर स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की अग्नि प्रज्वलित हो रही थी। उन्होंने अनुभव किया कि फिरंगियों की शिक्षा पद्धति भारतीयों को केवल 'बाबू' बनाने के लिए है, न कि राष्ट्र के निर्माण के लिए। इसी बोध ने उन्हें ऑक्सफोर्ड की छात्रवृत्ति और विलायती सुख-सुविधाओं को लात मारने पर विवश कर दिया।

लाला हरदयाल का व्यक्तित्व विरोधाभासों का एक सुंदर समन्वय था। वे जहां एक ओर संस्कृत के प्रकांड विद्वान थे, वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन और राजनीति के भी गहरे जानकार थे। उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय अमेरिका में 'गदर पार्टी' की स्थापना के साथ शुरू होता है। जब वे अमेरिका और कनाडा में बसे प्रवासी भारतीयों से मिले तो उन्होंने उनकी आंखों में छिपे उस अपमान को पढ़ा, जो उन्हें गुलाम देश का नागरिक होने के कारण झेलना पड़ता था। हरदयाल ने समझा कि भारत की आजादी की लड़ाई केवल सीमाओं के भीतर रहकर नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर ब्रिटिश साम्राज्यवाद की जड़ों पर प्रहार करके भी लड़ी जा सकती है। 1913 में उन्होंने 'गदर' समाचारपत्र का प्रकाशन शुरू किया, जिसके पहले अंक के शीर्षक 'अंग्रेजी राज का दुश्मन' ने ही फिरंगियों की नींद उड़ा दी थी।

उनका लेखन कोई साधारण गद्य नहीं था बल्कि वह सोई हुई आत्माओं को झकझोरने वाला संगीत था। वे लिखते थे, 'देश के वीरों, हमें सिपाही चाहिए; सिपाही, जो अपनी जान दे सकें। हमें सेनापति चाहिए, जो रणनीतियां बना सकें।' उनके शब्द सीधे दिल पर चोट करते थे। गदर आंदोलन ने केवल सिखों या पंजाबियों को ही नहीं बल्कि हर उस भारतीय को एक सूत्र में पिरो दिया, जो विदेश में रहकर भी अपनी मिट्टी की खुशबू के लिए तरस रहा था। हरदयाल ने सिखाया कि संगठन की शक्ति क्या होती है। उनके प्रयासों से ही करतार सिंह सराभा और विष्णु गणेश पिंगले जैसे वीर योद्धा तैयार हुए, जिन्होंने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूम लिया।

हरदयाल जी के विचार केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं थे। वे एक महान समाज सुधारक और तर्कशास्त्री भी थे। उनकी पुस्तक 'हिंट्स फॉर सेल्फ कल्चर' आज भी उन युवाओं के लिए एक मार्गदर्शिका है, जो अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना चाहते हैं। वे मानते थे कि शारीरिक, बौद्धिक और नैतिक उन्नति के बिना कोई भी राष्ट्र महान नहीं बन सकता। उनकी विद्वत्ता का लोहा दुनिया मानती थी, वे एक साथ कई भाषाओं के ज्ञाता थे और उनकी स्मरण शक्ति के किस्से आज भी किंवदंती की तरह सुने जाते हैं।

इस महान क्रांतिकारी का मार्ग कांटों से भरा था। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान जब उन्होंने जर्मनी के सहयोग से भारत को स्वतंत्र कराने की योजना बनाई तो ब्रिटिश खुफिया तंत्र उनके पीछे हाथ धोकर पड़ गया। उन्हें एक देश से दूसरे देश शरण लेनी पड़ी। कभी स्विट्जरलैंड, कभी जर्मनी, तो कभी स्वीडन, निर्वासन का यह दुख उन्होंने केवल इसलिए सहा ताकि भारत माता की बेड़ियां काटी जा सकें। लंबी यात्राओं और निरंतर संघर्ष ने उनके शरीर को जर्जर कर दिया था लेकिन उनके विचारों की प्रखरता अंत तक कम नहीं हुई। 4 मार्च 1939 को अमेरिका के फिलाडेल्फिया में रहस्यमयी परिस्थितियों में इस महामानव का निधन हो गया। यद्यपि वे अपनी आंखों से भारत को स्वतंत्र होते नहीं देख सके लेकिन उन्होंने स्वतंत्रता की जो मशाल जलाई थी, उसी की लौ में 1947 का सूर्योदय हुआ।

लाला हरदयाल ने सिखाया कि देशभक्ति केवल नारों में नहीं बल्कि त्याग और निरंतर स्वाध्याय में बसती है। वे एक ऐसे 'ऋषि-क्रांतिकारी' थे, जिन्होंने अपनी बुद्धि को राष्ट्र का कवच बनाया। उनके विचार आज भी हमें याद दिलाते हैं कि स्वतंत्रता का मूल्य निरंतर सतर्कता और बौद्धिक श्रेष्ठता है। उनकी स्मृति हमारे हृदय में सदा उस ध्रुव तारे की तरह चमकती रहेगी, जो अंधकार में डूबी मानवता को मार्ग दिखाता है। भारत के इस अनमोल रत्न को शत-शत नमन।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

होली का अर्थ : रंगोत्सव से राष्ट्रोत्सव तक

प्रोफेसर (डॉ.) भारत

भारत विविधताओं की विराट भूमि है क्योंकि यहां भाषाएँ, वेशभूषाएँ, खान-पान, लोकाचार और आस्थाएँ असंख्य रंगों में खिलती हैं। इन भिन्नताओं के बीच जो सूत्र हम भारतीयों को एकता में पिरोता है, वह है हमारे उत्सवों की जीवंत परंपरा। होली ऐसा ही उत्सव है, जो केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, मानवीय आत्मीयता और सांस्कृतिक निरंतरता का उत्सव है। आज आवश्यकता है कि हम होली को केवल एक पर्व के रूप में नहीं, बल्कि भारतीय संविधान में निहित बंधुता के आदर्श के आलोक में भी समझें।

होली का मूल आधार हमारी पौराणिक स्मृतियों में निहित है। प्रह्लाद, होलिका और हिरण्यकश्यप की कथा आस्था भर नहीं, बल्कि सत्य की असत्य पर विजय का शाश्वत रूपक है। होलिका-दहन हमें स्मरण कराता है कि अहंकार, अत्याचार और अन्याय अंततः राख हो जाते हैं; टिकता है तो केवल सत्य, विश्वास और धर्म। यह प्रतीकात्मक अग्नि हमारे भीतर के दंभ, द्वेष और संकीर्णताओं को भी भस्म करने का आह्वान करती है।

ब्रजभूमि में श्रीकृष्ण और राधा से जुड़ी फाग-परंपरा प्रेम, उल्लास और सामूहिक सहभागिता का अनुपम उदाहरण है। अबीर-गुलाल, फाग-गीत और रास-उल्लास केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक संवाद के माध्यम हैं। यहाँ प्रेम सामाजिक मर्यादाओं को तोड़ता नहीं, बल्कि उन्हें मानवीय ऊष्मा से सींचता है। इस प्रकार होली धर्म, भक्ति और प्रेम का समन्वित उत्सव बनकर भारतीय लोकजीवन में रची-बसी है।

सांस्कृतिक दृष्टि से होली सामाजिक विभाजनों को पाटने का अवसर प्रदान करती है। यह वह क्षण है जब जाति, वर्ग, आयु और आर्थिक असमानताओं की दीवारें क्षीण पड़ती प्रतीत होती हैं। रंगों का स्पर्श इस बात का प्रतीक है कि हम सब एक ही मानवीय भावभूमि के अंग हैं। ग्रामीण भारत में फगुआ, चौताल और धमाल की परंपराएँ सामुदायिक जीवन को सशक्त करती हैं; शहरी परिवेश में भी होली मित्रता, पड़ोस और पारिवारिक संबंधों को प्रगाढ़ करने का माध्यम बनती है। रंगों की समानता हमें बताती है कि मनुष्य की पहचान अंततः उसकी मनुष्यता है।

इतिहास भी इस समावेशी स्वरूप की पुष्टि करता है। मध्यकाल में मुगल दरबारों में होली के उत्सव के उल्लेख मिलते हैं। अकबर और जहाँगीर के समय राजसी और जनसामान्य, दोनों स्तरों पर होली का उल्लास साझा होता था। यह परंपरा बताती है कि भारतीय संस्कृति का स्वभाव मूलतः समन्वयी और उदार रहा है। होली ने धार्मिक सीमाओं को नहीं, बल्कि मानवीय रिश्तों को प्रमुखता दी।

अब यदि हम भारतीय संविधान की प्रस्तावना पर दृष्टि डालें, तो उसमें न्याय, स्वतंत्रता और समता के साथ बंधुता को भी मूल आदर्श के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। प्रस्तावना व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता स्थापित करने का संकल्प व्यक्त करती है। यहां बंधुता का अर्थ केवल भाईचारा से नहीं है, बल्कि एक ऐसी सामाजिक चेतना से है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति दूसरे की गरिमा, अधिकार और अस्तित्व को स्वीकार करे। संविधान-निर्माताओं ने इसे लोकतंत्र की आत्मा माना था, क्योंकि विधिक समानता तभी सार्थक होती है जब समाज में परस्पर सम्मान और आत्मीयता का भाव हो।

होली का उत्सव इसी बंधुता का जीवंत अभ्यास है। जब विभिन्न जाति, भाषा और धर्म के लोग एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, गले मिलते हैं और मन के मलिन भावों को त्यागने का संकल्प लेते हैं, तब वे अनजाने ही संविधान के उस आदर्श को जी रहे होते हैं, जो सामाजिक एकता को सुदृढ़ करता है। इस दिन संवाद के द्वार खुलते हैं, पुरानी कटुताएँ धुलती हैं और नई शुरूआत की संभावना जन्म लेती है। यह उत्सव हमें सिखाता है कि राष्ट्रीय एकता केवल विधिक प्रावधानों से नहीं, बल्कि हृदयों की आत्मीयता से निर्मित होती है।

होली का सार्वजनिक स्वरूप सामूहिक होलिका-दहन, गीत-संगीत और साझा भोज, साझी संस्कृति का प्रतीक है। किंतु आधुनिक समय में कुछ चुनौतियाँ भी उभरती दिखाई देती हैं। रासायनिक रंगों का अंधाधुंध प्रयोग, जल की अनावश्यक बबादी और कभी-कभी इस उत्सव के नाम पर असंवेदनशील आचरण, होली की मूल भावना के विपरीत हैं। यदि होली बंधुता का उत्सव है, तो उसमें जबरदस्ती, अपमान या हिंसा के लिए कोई स्थान कैसे हो सकता है? संवैधानिक दृष्टि से प्रत्येक नागरिक की गरिमा सर्वोपरि है। अतः उल्लास तभी सार्थक होगा, जब वह दूसरों की स्वतंत्रता और सम्मान पर अतिक्रमण न करे।

आज का समाज अनेक प्रकार के ध्रुवीकरण और वैचारिक विभाजनों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में होली जैसे पर्व हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों की याद दिलाते हैं। रंगों की विविधता हमें सिखाती है कि भिन्नता बाधा नहीं, बल्कि सौंदर्य है। जैसे विभिन्न रंग मिलकर एक मनोहारी चित्र रचते हैं, वैसे ही विविध समुदाय मिलकर भारत की राष्ट्रीय पहचान का निर्माण करते हैं।

राष्ट्रीय जीवन में बंधुता केवल सामाजिक मेल-मिलाप तक सीमित नहीं है अपितु यह राजनीतिक और संवैधानिक स्थिरता की आधारशिला भी है। जब नागरिक एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी या शत्रु नहीं, बल्कि सहयात्री के रूप में देखते हैं, तभी लोकतंत्र सशक्त होता है। होली का संदेश यही है कि मतभेद भले ही रहें, पर मनभेद न हों; विचारों में विविधता हो, पर संबंधों में कटुता न हो।

अंततः होली भारतीय संस्कृति का वह उज्ज्वल पर्व है, जो अतीत की स्मृतियों, वर्तमान की चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं को एक सूत्र में बाँधता है। यह केवल रंगों की उछाल नहीं, बल्कि हृदयों का मिलन है। यदि हम इसकी आत्मा को समझते हुए इसे संवैधानिक बंधुता के आदर्श से जोड़ सकें, तो यह उत्सव सांस्कृतिक परंपरा का निर्वाह भर नहीं करेगा, बल्कि राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

रंगों की यह वर्षा हमें निरंतर स्मरण कराती रहे कि भारत की शक्ति उसकी विविधता में है और उसकी आत्मा उसके संविधान में प्रतिष्ठित बंधुता में निहित है। होली का सच्चा संदेश भी समरसता, सम्मान और साझा राष्ट्रीय चेतना का बोध कराता है।

(लेखक पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ में सूचना एवं जनसंपर्क अधिष्ठाता है।)

समावेशी विकास की ओर बढ़ता मध्य प्रदेश: केंद्र में ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार

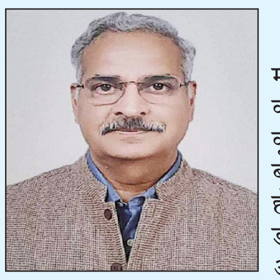

प्रद्युम्न शर्मा (हि.स)

मध्य प्रदेश में इस साल मनाए जा रहे किसान कल्याण वर्ष की पहली कृषि कैबिनेट जनजातीय बहुल जिले बड़वानी में होना और उसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में अनेक किसानों के हित में निर्णय लेने की दिशा में आगे बढ़ना आज बता रहा है कि राज्य विकास के धरातल पर अपनी किन प्राथमिकताओं को लेकर चल रहा है। इस दृष्टि से मध्य प्रदेश सरकार का वर्ष 2026-27 का बजट राज्य के विकास मॉडल को नए ढंग से परिभाषित करता नजर आता है।

कहना होगा कि हाल ही में सामने आए मप्र के बजट में जहां एक ओर दीर्घकालीन योजनाओं के लिए वित्तीय प्रबंधन की रणनीति दिखाई देती है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने का स्पष्ट प्रयास भी झलकता है। ह्लसमावेशी बजट, सशक्त नागरिक' के नारे के साथ पेश किए गए इस बजट की थीम 'तेरा तुझको अर्पण' रखी गई है, जो यह संकेत देती है कि विकास का लाभ सीधे जनता तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

बजट का सबसे बड़ा फोकस ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन पर दिखाई देता है। इसी दिशा में भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए 'विकसित भारत झ्र रोजगार की गारंटी और आजीविका मिशन (ग्रामीण)' के लिए 10,428 करोड़ रुपये की बड़ी राशि स्वीकृत की गई है। यह राशि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने, स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने में अहम भूमिका निभा सकती है। राज्य सरकार का मानना है कि इस मिशन के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे और पलायन की समस्या में भी कमी आएगी।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को इस बजट में विशेष प्राथमिकता दी गई है। वर्ष 2026-27 में इस विभाग के लिए कुल 40,103 करोड़ रुपये का व्यय अनुमानित किया गया है। यह राशि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास, सामाजिक योजनाओं के क्रियान्वयन और स्थानीय स्वशासन को मजबूत करने के लिए उपयोग की जाएगी। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार विभाग को अधिक बजट आवंटित किया गया है, जिससे यह संकेत मिलता है कि सरकार ग्रामीण विकास को अपने एजेंडे के केंद्र में रख रही है।

ग्रामीण सड़क नेटवर्क को मजबूत करने की पहल

ग्रामीण सड़कों के निर्माण और उन्नयन के लिए 2,968 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क बेहतर होने से कृषि उत्पादों के बाजार तक पहुंच आसान होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत सड़कों के नवीनीकरण और उन्नयन के लिए 1,285 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इससे पहले से बनी सड़कों की गुणवत्ता में सुधार होगा और परिवहन व्यवस्था अधिक सुगम बनेगी।

तीन वर्षीय रोलिंग बजट की नई व्यवस्था

इस बजट की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक तीन वर्षीय रोलिंग बजट व्यवस्था है। इस प्रणाली का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास योजनाएं केवल एक वर्ष की सीमा में न सिमटें, बल्कि उन्हें दीर्घकालीन लक्ष्य और वित्तीय स्थिरता के साथ लागू किया जा सके। इस तरह की व्यवस्था से सरकार को बड़े विकासात्मक प्रोजेक्ट्स के लिए बेहतर योजना बनाने और संसाधनों का संतुलित उपयोग करने में मदद मिलेगी।

बहुआयामी गरीबी सूचकांक आधारित बजटिंग का प्रयोग

इस बजट की एक और विशेषता यह है कि इसमें मल्टी डायमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स आधारित बजटिंग को संस्थागत रूप देने का प्रयास किया गया है। यह अपनी तरह का पहला प्रयास माना जा रहा है। इसका उद्देश्य यह है कि विकास योजनाओं का लाभ उन क्षेत्रों तक प्राथमिकता से पहुंचे जो पहले से ही अभावग्रस्त और पिछड़े के रूप में चिन्हित किए गए हैं। इस व्यवस्था से सरकारी खर्च को परिणाम आधारित बनाया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि संसाधनों का उपयोग वास्तव में गरीबी कम करने और जीवन स्तर सुधारने में हो।

खनिज राजस्व से स्थानीय विकास को बल

खनिज संपदा से मिलने वाले राजस्व का भी स्थानीय विकास में उपयोग सुनिश्चित करने की कोशिश की गई है। जिला खनिज निधि के लिए 1,400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जबकि गौण खनिज राजस्व से पंचायतों को 934 करोड़ रुपये अंतरित किए जाएंगे। इससे खनन प्रभावित क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं और सामाजिक विकास योजनाओं को मजबूती मिल सकेगी।

पोषण और कनेक्टिविटी योजनाओं को प्राथमिकता

पोषण और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को भी बजट में पर्याप्त प्राथमिकता दी गई है। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के लिए 1,100 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिसका उद्देश्य बच्चों में कुपोषण को कम करना और विद्यालयों में पोषण स्तर सुधारना है। इसके अलावा मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना के लिए 793 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे छोटे-छोटे गांवों और बस्तियों को मुख्य सड़कों से जोड़ा जा सकेगा।

प्रमुख योजनाओं के लिए बढ़ा बजट प्रावधान

सरकार ने कई महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए भी पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में अधिक राशि स्वीकृत की है। इनमें ग्राम स्वराज अभियान, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना, यशोदा दुग्ध प्रदाय योजना, क्षतिग्रस्त पुलों का पुनर्निर्माण, मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेडी टू ईट टेक होम राशन, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री आवास मिशन, वाटरशेड विकास और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जैसी योजनाएं शामिल हैं।

ग्रामीण जीवन स्तर सुधारने की दिशा में प्रयास

इन योजनाओं का सीधा संबंध ग्रामीण जीवन स्तर को बेहतर बनाने से है। उदाहरण के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण और मुख्यमंत्री आवास मिशन के माध्यम से गरीब परिवारों को पक्के घर उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। वहीं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों को मजबूत कर महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

समावेशी विकास की व्यापक रणनीति

अतः कहना होगा कि मध्य प्रदेश का यह बजट सिर्फ आंकड़ों का दस्तावेजीकरण न होकर विकास की एक व्यापक रणनीति का संकेत देता है। इसमें ग्रामीण बुनियादी ढांचे, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और गरीबी उन्मूलन को एक साथ जोड़कर विकास की समावेशी अवधारणा को आगे बढ़ाने की कोशिश की गई है। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो यह बजट राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक तस्वीर बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

राज्य सरकार के इस बजट से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि आने वाले वर्षों में राज्य का विकास मॉडल ग्रामीण सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और सामाजिक समावेशन के आधार पर आगे बढ़ने वाला है। यही वजह है कि इसे राज्य के आर्थिक भविष्य की दिशा तय करने वाला बजट भी माना जा रहा है। वहीं समझनेवाली बात यह भी है कि इस दिशा में प्रभावी कदम किसान कल्याण वर्ष की पहली कृषि कैबिनेट जनजातीय बहुल जिले बड़वानी में कर डॉ. मोहन सरकार की ओर से अब ये संकेत भी दे दिया गया है कि उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं!

(लेखक राज्य प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं स्तम्भकार हैं)

आज का राशिफल

मेष: सुख-आनंद कारक समय है। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। *(सिटी दर्पण)*

तुला: स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। *(सिटी दर्पण)*

धनु: धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। *(सिटी दर्पण)*

मकर: अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। *(सिटी दर्पण)*

मीन: ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

पंजाब राजस्व विकास में शीर्ष 3 राज्यों में शामिल, कर राजस्व बढ़कर 57,919 करोड़ रुपये हुआ

आप सरकार के अधीन आबकारी राजस्व में 86.77 प्रतिशत की वृद्धि, पिछली सरकारों की तुलना में वार्षिक औसत लगभग दोगुना हो गया: हरपाल सिंह चीमा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के वित्त, आबकारी और कर मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के नेतृत्व में, पंजाब राजस्व विकास में शानदार उपलब्धियों के लिए देश के शीर्ष तीन राज्यों में उभरा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पिछले चार वर्षों में राज्य की वित्तीय कार्यप्रदर्शन संरचनात्मक सुधार, वित्तीय अनुशासन और प्रशासनिक पारदर्शिता को दशार्ता है। यहां पंजाब भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए हरपाल सिंह चीमा ने पंजाब की वित्तीय सेहत में आए इस निर्णायक बदलाव को उजागर करने के लिए विस्तृत आंकड़े पेश किए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, पंजाब के अपने कर राजस्व में भारी वृद्धि हुई है, जो कि 2021-22 में कुल राज्य घरेलू उत्पाद (जी.एस.डी.पी.) का 6.39 प्रतिशत यानी 37,327 करोड़ रुपये था, वह बढ़कर 2024-25 में 57,919 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि कुल राज्य घरेलू उत्पाद का 7.15 प्रतिशत बनता है।

आबकारी प्राप्ति के आंकड़े पेश करते हुए आबकारी और कर मंत्री ने बताया कि आबकारी राजस्व में चार वर्षों से भी कम समय में 86.77 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, अकाली-भाजपा सरकार के पांच वर्षों के कार्यकाल के दौरान कुल आबकारी प्राप्ति 20,545 करोड़ रुपये थी, जिसकी वार्षिक औसत 4,109 करोड़ रुपये थी। बाद में कांग्रेस सरकार ने पांच वर्षों में 27,395 करोड़ रुपये इकट्ठे किए, जिसकी वार्षिक औसत 5,479 करोड़ रुपये रही। इसके बिल्कुल विपरीत, आप सरकार ने जनवरी 2026 तक ही 37,975 करोड़ रुपये का आबकारी राजस्व प्राप्त कर लिया है, जो कि वार्षिक 9,907 करोड़ रुपये की शानदार औसत दशार्ता है। इसके अलावा, कांग्रेस सरकार के समय 2021-22 में आबकारी राजस्व 6,157 करोड़ रुपये था, जबकि वित्तीय वर्ष 2025-26 में इसके 11,500 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। राज्य के कुल राज्य घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में, आबकारी राजस्व 2021-22 के 1.05 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 में 1.28 प्रतिशत हो गया है।

जी.एस.टी. प्रणाली के तहत कार्यप्रदर्शन को उजागर करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि जी.एस.टी. प्राप्ति में भी ऐसी ही सफलता दर्ज की गई है। उन्होंने कहा, पिछली कांग्रेस सरकार जी.एस.टी. मुआवजे पर बहुत अधिक निर्भर थी और टैक्स दायरे को बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाने में असफल रही। उनकी पांच वर्षों की कुल प्राप्ति 61,286 करोड़ रुपये थी, जिसकी वार्षिक औसत 12,257 करोड़ बनती है। उन्होंने आगे कहा, आप सरकार द्वारा जनवरी 2026 तक 83,739 करोड़ रुपये प्राप्त किए गए हैं, जिससे वार्षिक औसत बढ़कर 21,845 करोड़ रुपये हो गई है। राज्य जी.एस.टी. राजस्व, जो कि 2021-22 में 15,542 करोड़ रुपये था, 2025-26 में 26,500 करोड़ को पार करने का अनुमान है। जी.एस.टी. 2.0 के तहत तर्कसंगत होने के बावजूद, राज्य ने अपने जी.एस.टी. राजस्व में 70.50 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की है। जमीन और संपत्ति की रजिस्ट्रियों के बारे में बात करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि स्टांप ड्यूटी से राजस्व में भी ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के कार्यकाल 2017-22 के दौरान, पिछली अकाली दल सरकार (2012-17) की तुलना में स्टांप ड्यूटी संग्रह में 1 प्रतिशत से भी कम की वृद्धि देखने को मिली। अकाली-भाजपा सरकार ने कुल 12,387 करोड़ रुपये इकट्ठे किए जिसकी वार्षिक औसत 2,477 करोड़ रुपये थी, जबकि कांग्रेस सिर्फ 12,469 करोड़ रुपये इकट्ठे कर सकी, जिसकी वार्षिक औसत 2,494 करोड़ रुपये रही। उन्होंने आगे कहा, इसके विपरीत, आप सरकार ने जनवरी 2026 तक 19,515 करोड़ रुपये प्राप्त किए हैं, जिसकी वार्षिक औसत 5,091 करोड़ रुपये है। यह दशार्ता है कि सिर्फ चार वर्षों में, आप सरकार ने पिछली सरकारों के पांच वर्षों के कार्यकालों से 60 फीसदी अधिक स्टांप ड्यूटी प्राप्त की है। इस तेज गति से, यह राजस्व 2026-27 के वित्तीय वर्ष तक कांग्रेस दौर के कुल राजस्व से दोगुना होने की उम्मीद है।

- विरासत में मिले 3,00,000 करोड़ रुपये के कर्ज के बावजूद कर्ज-कुल राज्य घरेलू उत्पाद अनुपात घटकर 44.47 प्रतिशत हुआ: हरपाल सिंह चीमा
- आप सरकार के चार वर्षों में 37,975 करोड़ रुपये की आबकारी प्राप्ति कांग्रेस और अकाली-भाजपा की पांच-पांच वर्षों की कुल प्राप्ति को पार कर गई: हरपाल सिंह चीमा

विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए वित्त मंत्री चीमा ने कहा कि पंजाब ने पूंजीगत व्यय में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की है। उन्होंने कहा, पांच वर्षों में, अकाली-भाजपा सरकार ने 14,641 करोड़ रुपये और कांग्रेस सरकार ने पूंजीगत व्यय पर 19,356 करोड़ रुपये खर्च किए। जबकि आप सरकार 31,630 करोड़ खर्च करने जा रही है।

विरासत में मिले कर्ज के बोझ के बारे में बोलते हुए, वित्त मंत्री ने दावा किया, आप सरकार को विरासत में लगभग 3,00,000 करोड़ रुपये का कर्ज मिला है। इस भारी ऐतिहासिक बोझ के कारण, लिए गए नए कर्जों का 35 फीसदी हिस्सा सिर्फ पिछली सरकारों द्वारा छोड़ी गई देनदारियों को चुकता करने के लिए इस्तेमाल होता है। कर्ज का और 50 फीसदी हिस्सा पुराने कर्जों पर ब्याज देने में चला जाता है। नतीजे के रूप में, उधार लिए गए फंडों का 15 फीसदी से भी कम हिस्सा वास्तव में आप सरकार को राज्य के विकास के लिए इस्तेमाल करने के लिए उपलब्ध होता है।

उन्होंने कहा कि इन हालातों के बावजूद मौजूदा सरकार ने कर्ज से कुल राज्य घरेलू उत्पाद के अनुपात को 48.25 प्रतिशत से घटाकर 44.47 प्रतिशत कर दिया है। हरपाल सिंह चीमा ने कहा, आप सरकार ने वेतन आयोग को लागू करने के लिए 7,000 से 8,000 करोड़ रुपये रखे और 2016 से 2021 तक लंबित वेतन आयोग के 14,191 करोड़ रुपये के बकाए क्लियर किए जा रहे हैं। इसके अलावा, पनस्प, लैंड मार्टगेज बैंक, पी.एस.आई.डी.सी. और मंडी बोर्ड जैसी वित्तीय रूप से संकटग्रस्त सरकारी संस्थाओं को बचाने के लिए 2,566 करोड़ रुपये मुहैया करवाए गए।

उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा अदा न किए गए केंद्रीय योजनाओं के बकाए क्लियर करने के लिए 1,750 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। लंबे समय के वित्तीय सुरक्षा उपायों की रूपरेखा उजागर करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, आप सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक में रखे गए कंसोलिडेटेड सिंकिंग फंड और गारंटी रिडेम्पशन फंड में बड़ा निवेश किया है। 31 मार्च 2022 तक, राज्य के पास कंसोलिडेटेड सिंकिंग फंड में सिर्फ 3,027 करोड़ रुपये थे और गारंटी रिडेम्पशन फंड में कुछ भी नहीं था। दिसंबर 2025 तक, ये रिजर्व फंड बढ़कर कंसोलिडेटेड सिंकिंग फंड में 10,738 करोड़ रुपये और गारंटी रिडेम्पशन फंड में 982 करोड़ रुपये हो गए हैं, जिससे कुल राशि 11,720 करोड़ रुपये हो गई है।

वित्त मंत्री ने आगे कहा, यह 8,693 करोड़ के कुल वृद्धि को दशार्ता है, जो कि चार वर्षों से भी कम समय में 287 प्रतिशत की शानदार वृद्धि है। यह अग्रिम निवेश किसी भी अचानक आने वाले वित्तीय संकट के खिलाफ एक बचाव के रूप में काम करता है और राज्य के कर्ज को योजनाबद्ध ढंग से चुकाने में मदद करता है।

भगवंत मान सरकार द्वारा महिला दिवस के अवसर पर महिला उद्यमियों का सम्मान, अब तक 28,000 से अधिक महिलाओं ने किया पंजीकरण: सौंद

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

भगवंत मान सरकार द्वारा पूरे राज्य में 14,100 महिला उद्यमियों को महिला दिवस के अवसर पर सम्मानित करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अब तक 28,000 से अधिक पंजीकरण प्राप्त हो चुके हैं, जो सरकार के ग्रामीण महिला-नेतृत्व विकास के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बताया कि इस संबंध में राज्य स्तरीय समारोह 18 मार्च 2026 को आयोजित किया जाएगा। इस दौरान पंजाब की चयनित शीर्ष 100 महिला उद्यमियों को प्रत्येक को 25,000 रुपये का इनाम प्रदान किया जायेगा। यह पहल पंजाब राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (पीएसआरएलएम) के तहत महिला उद्यमियों को व्यापक पहचान दिलाने की दिशा में सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तैयारियों की समीक्षा करते हुए मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने कहा, पंजाब राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को व्यापक समर्थन मिल रहा है, क्योंकि 28,000 से अधिक महिलाओं ने सम्मान समारोहों के लिए पंजीकरण कराया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रमों की श्रृंखला का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने राज्य की सभी महिला उद्यमियों से अपील की कि वे महिला सशक्तिकरण को समर्पित इस भव्य आयोजन में सक्रिय भागीदारी करें।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा, राज्य स्तरीय समारोह 18 मार्च 2026 को आयोजित किया जाएगा, जिसमें पंजाब की चयनित शीर्ष 100 महिला उद्यमियों को प्रति महिला 25,000 रुपये की राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का जिला, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर लाइव प्रसारण किया जाएगा, ताकि प्रत्येक गांव इस जश्न से जुड़ सके। इस पहल के व्यापक दायरे की जानकारी देते हुए मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने कहा कि सम्मान समारोह ब्लॉक और विधानसभा क्षेत्र स्तर पर शुरू हो चुके हैं और 12 मार्च से जिला स्तर पर जारी रहेंगे, जिसके बाद राज्य स्तरीय कार्यक्रम के साथ यह श्रृंखला संपन्न होगी। उन्होंने बताया, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से 100 स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिला उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा, जिससे पूरे राज्य में कुल 11,700 महिलाओं को सम्मान मिलेगा। इसी प्रकार 23 जिलों में प्रत्येक जिले से 100 महिला उद्यमियों सहित कुल 2,300 महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। राज्य स्तर पर एक समिति शीर्ष 100 महिला उद्यमियों का चयन करेगी, जिन्हें प्रति व्यक्ति 25,000 रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। कुल मिलाकर पूरे पंजाब में 14,100 महिला उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में प्रशासनिक सचिव अजीत बालाजी जोशी, संयुक्त विकास आयुक्त शेना अग्रवाल, निदेशक ग्रामीण विकास एवं पंचायत उमा शंकर गुप्ता तथा मिशन के नोडल अधिकारी रमणदीप शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पंजाब में 108 एम्बुलेंस सेवा ने वर्ष 2025 में कुल 38,715 मामलों में अपनी सेवाएँ प्रदान कीं

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

जेनप्लस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित 108 एम्बुलेंस सेवा ने जनवरी 2025 से दिसंबर 2025 के बीच 38,715 आपातकालीन मामलों में त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए रात के समय पंजाब के लोगों के लिए जीवनरेखा के रूप में अपनी भूमिका निभाना जारी रखा। यह रिपोर्ट विशेष रूप से रात्रिकालीन अभियानों के दौरान संभाली गई आपात स्थितियों को दशार्ती है, जो जीवन बचाने के प्रति सेवा के चौबीसों घंटे की तत्परता और प्रतिबद्धता को उजागर करती है। वर्ष के दौरान, गर्भावस्था से संबंधित 12,762 आपात स्थितियों को रात के समय संभाला गया, जिससे गर्भवती महिलाओं के लिए समय पर परिवहन और सुरक्षित चिकित्सा सहायता सुनिश्चित हो सकी। इसके अतिरिक्त, सेवा ने देर रात के दौरान 11,798 चिकित्सा आपात स्थितियों, 4,637 सड़क दुर्घटना मामलों तथा 4,601 हृदय संबंधी आपात स्थितियों में भी त्वरित प्रतिक्रिया दी, जब तत्काल सहायता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। अगस्त 2025 में रात्रिकालीन प्रतिक्रियाओं की सर्वाधिक संख्या दर्ज की गई, जिसमें 3,908 मामले शामिल थे। यह आँकड़ा उच्च मांग की अवधि के दौरान भी सेवा के मजबूत परिचालन क्षमता को दशार्ता है।

संक्षिप्त-समाचार

पंजाब के राज्यपाल द्वारा लोगों को होली की बधाई

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक, श्री गुलाब चंद कटारिया ने होली के शुभ अवसर पर पंजाब और चंडीगढ़ के लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा, होली का त्योहार वसंत के आगमन और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। जैसे वसंत ऋतु का आगमन वातावरण को अद्भुत सौंदर्य और सुगंध से भर देता है, वैसे ही रंगों का यह त्योहार सामाजिक सद्भाव को मजबूत करे और पंजाब व चंडीगढ़ के लोगों के जीवन में आनंद, उल्लास, आशा और खुशियां लेकर आए। राज्यपाल ने लोगों से होली के इस त्योहार को सौहार्द, सद्भावना और भाईचारे की सच्ची भावना के साथ मनाने की अपील की।

सैमसंग ने लॉन्च किया कॉम्पैक्ट 60 पावर अडैप्टर

चंडीगढ़। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने अपने नए 60ह पावर अडैप्टर की उपलब्धता की घोषणा की है। यह अडैप्टर बिजली की बबार्दी और चार्जरों के झंझट को कम करते हुए कई तरह के डिवाइस को तेजी से चार्ज करता है। चाहे आप स्मार्टफोन, लैपटॉप या ईयरबड्स चार्ज कर रहे हों, यह घर पर या यात्रा के दौरान रोजमर्रा की चार्जिंग जरूरतों के लिए एक अधिक ऊर्जा-कुशल समाधान है। सैमसंग का 60ह अडैप्टर यूएसबी पावर डिलीवरी 3.1 और प्रोग्रामेबल पावर सप्लाई (पीपीएस) सपोर्ट के साथ आता है। यह तकनीक सुनिश्चित करती है कि कनेक्टेड डिवाइस को केवल उतनी ही पावर मिले जितनी उसे जरूरत है, जिससे बैटरी सुरक्षित रहती है और चार्जिंग स्पीड ऑप्टिमाइज होती है। पीपीएस एक उन्नत तकनीक है जो डिवाइस की जरूरत के हिसाब से वोल्टेज और करंट को रियल-टाइम में समायोजित करती है। इससे गर्मी कम पैदा होती है और समय के साथ बैटरी की सेहत बेहतर बनी रहती है। इस तरह, एक ही अडैप्टर कई चार्जरों की जगह ले सकता है, जिससे तारों का झंझट कम होता है और वर्कस्पेस या यात्रा के दौरान चार्जिंग सेटअप आसान हो जाता है। इसकी 60ह की स्पीड नए सैमसंग गैलेक्सी र26 अल्ट्रा को मात्र 30 मिनट में 75% तक प्रभावी ढंग से चार्ज कर सकती है।

13 मार्च को रिलीज होगी फिल्म टू वे

चंडीगढ़। आजकल समाज में एक सोच ऐसी आ गयी है कि लड़कियां अपने को लडकों से ज्यादा दिखाने के लिए हर वो बुरा काम करना चाहती हैं जो हमारी संस्कृति के लिहाज से उनको नहीं करना चाहिए, इसमें जुआ, शराब, नशा, और पुरुष वैश्या जैसे घिनोने काम भी शामिल हैं। ये कहानी ऐसी ही तीन लड़कियों की है जो अपने परिवार की गलत तरीकों से कमाई दौलत और ताकत के नशे में एक शरीफ लडके का बलात्कार कर देती हैं। उस लडके की बात पर कोई यकीन नहीं करता, ये बात ही ऐसी है की कोई सामान्य व्यक्ति सोच भी नहीं सकता यकीन करना तो दूर की बात। वो लडका इन्साफ के लिए पुलिस के पास जाता है, अदालत का दरवाजा भी खटखटाता है पहले तो कोई उसकी पूरी बात सुनने को ही तैयार नहीं होता और कोई सुनता भी है तो लडकी के परिवार का नाम सुनकर कुछ करने की हिम्मत नहीं करता। फिल्म में मुख्य कलाकार गुरलीन चोपड़ा, मिलिंद गुणाजी, सुधा चंद्रन, विजय पाटकर, पंकज बेरी, देवयांशी डे, डी. रंधावा, मन्नत सिंह, नेहा वर्मा, अर्चना गोल्डस्मिथ, जानवी सांगवान, विजय खेपर, राजिन्दर वर्मा, आरव वधवा, जीतराय दत्त संदीप सिंघल इत्यादि ने काम किया है। यशबाबू एंटरटेनमेंट की यह सातवीं फिल्म सिनेमाघर में आ रही हैं। निर्देशन विजय खेपर तथा कॉन्सेप्ट, क्रिएटिव डायरेक्टर व प्रोड्यूसर राजिन्दर कुमार वर्मा का है। टूवे देशभर के सिनेमाघरों में 13 मार्च 2026 को रिलीज होगी !

हरमीत सिंह गुरुद्वारा बंगला साहिब के सह-अध्यक्ष नियुक्त: कालका

नई दिल्ली। सरदार हरमीत सिंह कालका दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष ने हरमीत सिंह को गुरुद्वारा बंगला साहिब का सह-अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। सरदार हरमीत सिंह कालका ने अपने संदेश में कहा कि गुरुद्वारा बंगला साहिब केवल एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक केंद्र ही नहीं है, बल्कि विश्वभर की संगत के लिए अटूट श्रद्धा और निस्वार्थ सेवा का सजीव प्रतीक है। इस पावन धाम की प्रबंधकीय जिम्मेदारी निभाना सच्ची निष्ठा, विनम्रता और दृढ़ संकल्प की अपेक्षा करता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हरमीत सिंह अपनी दूरदृष्टि, प्रबंधन क्षमता और गुरसिख भावना के साथ संगत की सुविधाओं, सुव्यवस्थित प्रबंधन तथा आधुनिक व्यवस्थाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। गुरुद्वारा साहिब में आने वाली समस्त संगत को उत्तम व्यवस्था और सौहार्दपूर्ण वातावरण प्रदान करने में उनकी भूमिका निश्चित रूप से एक मील का पत्थर सिद्ध होगी। अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने कहा कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी सदैव गुरु घर की मयार्दा और सेवा परंपराओं को सर्वोपरि रखती आई है तथा नए सह-अध्यक्ष के नेतृत्व में यह परंपरा और अधिक सुदृढ़ होगी। उन्होंने यह भी कहा कि संगत की सुविधा, पारदर्शी प्रबंधन और लंगर सेवा के विस्तार की दिशा में विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

होला मोहल्ला की पावन गरिमा में तख़्त श्री केसगढ़ साहिब में नतमस्तक हुए हरमीत सिंह कालका

आनंदपुर साहिब। हरमीत सिंह कालका, अध्यक्ष दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति ने धन-धन श्री गुरु गोबिंद सिंह साहिब जी की अपार कृपा से होला मोहल्ला के पावन अवसर पर तख़्त श्री केसगढ़ साहिब में नतमस्तक होकर हाजिरी लगाई तथा समस्त संगत के दर्शन कर गुरु घर का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस आध्यात्मिक वातावरण में उन्होंने शिरोमणि पंथ अकाली बुढ़ा दल के प्रमुख बाबा बलबीर सिंह से विशेष भेंट की। इस अवसर पर पंथ की एकता, गुरमत मयार्दा तथा समकालीन चुनौतियों के संबंध में गंभीर और विचारपूर्ण चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने खालसा पंथ की चढ़दी कला, पारस्परिक सहयोग और संयुक्त प्रयासों को और अधिक सुदृढ़ करने पर बल दिया। सरदार हरमीत सिंह कालका ने कहा कि होला मोहल्ला केवल एक ऐतिहासिक स्मृति नहीं, बल्कि खालसाई आत्मा, पराक्रम और आध्यात्मिक उत्साह का जीवंत प्रतीक है। इस महान परंपरा का निर्वहन करते हुए पंथ की एकता और सामूहिक रणनीति आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस अवसर पर बाबा बलबीर सिंह छियानवे करोड़ द्वारा प्रदान किए गए सम्मान के लिए हरमीत सिंह कालका ने हृदय से आभार व्यक्त किया और विश्वास प्रकट किया कि गुरु साहिब की कृपा से पंथ सदैव चढ़दी कला में अग्रसर रहेगा।

होला मोहल्ला पर युवाओं को सिखी से जोड़ने के लिए यूथ अकाली दल और विरसा संभाल सरदारी लहर द्वारा लगाया गया दस्तार कैंप सराहनीय पहल: जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

खालसा पंथ की चढ़दी कला के प्रतीक राष्ट्रीय पर्व होला मोहल्ला के पावन अवसर पर श्री केसगढ़ साहिब में शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सरदार सुखबीर सिंह बादल जी के दिशा-निर्देशों तथा यूथ अकाली दल के प्रधान सरबजीत सिंह झिंझर के नेतृत्व में विरसा संभाल सरदारी लहर और मेरी दस्तार मेरी शान अभियान के अंतर्गत एक विशाल दस्तार कैंप आयोजित किया गया।

विरसा संभाल सरदारी लहर के प्रमुख मनदीप सिंह खुर्द अपनी टीम सहित सेवा के लिए उपस्थित रहे। दोनों संगठनों ने मिलकर इस कैंप को सफलतापूर्वक आयोजित किया और युवाओं को दस्तार के महत्व से जोड़ने का प्रयास किया।

कैंप का शुभारंभ श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दस्तार हमें श्री गुरु साहिबान द्वारा प्रदान किया गया ताज है, जो सिख पहचान, मयार्दा और आत्म-सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दस्तार की लाज रखना हर सिख का कर्तव्य है और ऐसे प्रयास युवा पीढ़ी को अपनी महान विरासत से जोड़ते हैं।

सरबजीत सिंह झिंझर ने कहा कि मेरी दस्तार मेरी शान अभियान का उद्देश्य युवाओं में सिखी के प्रति सम्मान की भावना पैदा करना और दस्तार के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना है। उन्होंने बताया कि यूथ अकाली दल द्वारा अब तक देश और विदेश में 500 से अधिक दस्तार कैंप आयोजित किए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से हजारों युवाओं को दस्तार बांधने की प्रेरणा और प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सरदार सुखबीर सिंह बादल सिख कौम की धार्मिक और सामाजिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में पार्टी द्वारा युवाओं को गुरबाणी, गुरमत और सिख परंपराओं से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। सरबजीत सिंह झिंझर ने कहा कि सिख युवाओं को अपनी असली पहचान और विरासत पर गर्व करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दस्तार को केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और अनुशासन का प्रतीक समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूथ अकाली दल गांव-गांव और शहर-शहर पहुंचकर हर युवा को गुरु साहिबान के बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करेगा।

कैंप के दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं और युवाओं को दस्तार बांधी गई तथा दस्तार बांधने का विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया। संगत द्वारा इस पहल की भरपूर सराहना की गई।

23.62 लाख वरिष्ठ नागरिकों को डी.बी.टी. के माध्यम से मिल रही है 1500 रुपये मासिक पेंशन : डॉ. बलजीत कौर

सम्मान और पारदर्शिता के साथ जनकल्याण भगवंत मान सरकार का मुख्य उद्देश्य : डॉ. बलजीत कौर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पंजाब की सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण एवं अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि पंजाब सरकार ने सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण एवं अल्पसंख्यक विभाग के माध्यम से एक पारदर्शी और जन-पक्षीय कल्याण मॉडल लागू किया है। इससे यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि राज्य के लगभग प्रत्येक घर, विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों, दिव्यांगजनों, अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों और हाशिए पर रह रहे अन्य वर्गों को किसी न किसी योजना का लाभ मिले।

बुजुर्गों के लिए सहायता संबंधी जानकारी साझा करते हुए डॉ. बलजीत कौर ने कहा, इस समय प्रत्येक माह के पहले सप्ताह में 23,62,579 जरूरतमंद बुजुर्गों को 1500 रुपये की मासिक पेंशन सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जा रही है।

उन्होंने बताया कि सख्त निगरानी के कारण अपात्र और मृत लाभार्थियों के नाम सूची से हटाए गए, जिसके परिणामस्वरूप 170 करोड़ रुपये की रिकवरी हुई। तप्पा और मानसा में 17.33 करोड़ रुपये की लागत से दो आधुनिक वृद्धाश्रम शुरू किए गए हैं, जो आवास, भोजन, वस्त्र, स्वास्थ्य सेवा और मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त बुजुर्गों के लिए कार्य करने वाले गैर-सरकारी संगठनों को 11.43 करोड़ रुपये की अनुदान राशि दी गई है।

साडा बुजुर्ग साडा मान अभियान का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में शुरू किए गए जिला स्तरीय शिविरों से बुजुर्गों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूती मिली है। वर्ष 2024 में 20,000 से अधिक तथा इस वर्ष भी 20,000 से अधिक बुजुर्गों ने स्वास्थ्य सेवाओं, कानूनी सहायता और सहायक उपकरणों का लाभ उठाया है।

महिला सशक्तिकरण पर बल देते हुए मंत्री ने कहा कि महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा पर 2042 करोड़ रुपये व्यय किए गए, जिससे महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं तक बिना किसी आर्थिक बाधा के आसान पहुंच मिली। 150 करोड़ रुपये की लागत से पांच वर्किंग वूमेन हॉस्टल–तीन मोहाली में तथा एक-एक जालंधर और अमृतसर में–निमार्णाधीन हैं और एक वर्ष के भीतर पूरे हो जाएंगे। इन हॉस्टलों में कामकाजी माताओं के लिए क्रेच सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने बताया कि जमीनी स्तर पर सेवाओं को मजबूत करते हुए वर्ष 2023 में पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से 4,377 आंगनवाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं की भर्ती की गई थी तथा पोषण सेवाओं और प्रारंभिक बाल देखभाल को सुदृढ़ करने के लिए 6,110 और कर्मियों की शीघ्र भर्ती की जाएगी। 27,000 से अधिक आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से सैनिटरी पैड वितरित कर मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा दिया जा रहा है तथा 6.48 लाख विधवाओं, तलाकशुदा और कम आय वाली महिलाओं को 1500 रुपये मासिक पेंशन नियमित रूप से दी जा रही है।

बाल कल्याण और मातृत्व संबंधी जानकारी देते हुए डॉ. बलजीत कौर ने कहा, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत 2,94,288 के केंद्रीय लक्ष्य के मुकाबले पंजाब ने चार वर्षों में 4,22,492 महिलाओं को कवर किया है। 1000 से अधिक नए आंगनवाड़ी केंद्र स्थापित किए गए, जर्जर भवनों की मरम्मत की गई तथा मोगा और फिरोजपुर में 100 सक्षम आंगनवाड़ी केंद्र आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किए जा रहे हैं। खेल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु 10 करोड़ रुपये की लागत से सभी आंगनवाड़ी कार्यकताओं को प्रशिक्षण दिया गया है।

बाल सुरक्षा के विषय में उन्होंने बताया कि मिशन जीवनज्योत के तहत भीख मांगने वाले बच्चों को बचाकर निरंतर निगरानी में विद्यालयों में दाखिला दिलाया गया। चार वर्षों में बाल विवाह के 165 मामले सामने आए, जिनमें से 150 को रोका गया और 15 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई। स्पॉन्सरशिप योजना, जो पहले लगभग 1700 लाभार्थियों तक सीमित थी, अब लगभग 11,000 बच्चों को कवर कर रही है, जिसके तहत प्रत्येक बच्चे को 4000 रुपये प्रतिमाह दिए जाते हैं। 16 जिलों में गोद लेने की सेवाओं को सुदृढ़ किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 138 बच्चों को गोद लिया गया, जिनमें से 26 को विदेशों में गोद दिया गया।

आईआरजीसी की चेतावनी- 'दुश्मन अपने घरों में भी सुरक्षित नहीं'

हमेदान में खामेनेई के समर्थन में प्रदर्शन

एजेंसी (हि.स.)
तेहरान/हमेदान

ईरान ने अमेरिका और इजराइल के साथ जारी संघर्ष के बीच कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि उसके दुश्मन अब दुनिया में कहीं भी सुरक्षित नहीं रहेंगे। ईरान की अर्धसैनिक इकाई इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने बयान जारी कर चेतावनी दी कि हालिया हमलों के बावजूद देश कमजोर नहीं पड़ा है। सरकारी प्रसारक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) के अनुसार, आईआरजीसी ने कहा कि देश के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई और अन्य शीर्ष अधिकारियों की मौत ने ईरान को ह्लकमजोर नहीं बल्कि और मजबूतह्व बनाया है। बयान में कहा गया, दुश्मन को यह जान लेना चाहिए कि उसके अच्छे दिन खत्म हो चुके हैं। वे अब दुनिया में कहीं भी सुरक्षित नहीं रहेंगे, यहां तक कि अपने घरों में भी नहीं। आईआरजीसी ने स्पष्ट किया कि ईरान की लड़ाई तब तक जारी रहेगी, जब तक 'दुश्मन को पराजित नहीं कर दिया जाता।'

हमेदान में सड़कों पर उतरे समर्थक

इस बीच पश्चिमी ईरान के शहर हमेदान में खामेनेई की मौत के बाद उनके समर्थक सड़कों पर उतर आए हैं। प्रदर्शनकारी शोक जता रहे हैं और सरकार के समर्थन में नारे लगा रहे हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, बड़ी संख्या में लोग जुलूस और सभाओं के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं। तेजी से बदलते हालात के बीच ईरान में एक ओर शोक और आक्रोश का माहौल है, वहीं दूसरी ओर सैन्य और कूटनीतिक मोर्चों पर तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

रियाद में अमेरिकी दूतावास पर ईरान का बड़ा ड्रोन हमला, कुवैत व जार्डन स्थित दूतावास को भी बना चुका है निशाना

रियाद। सऊदी अरब में रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास पर मंगलवार को ईरान ने ड्रोन से अबतक का सबसे बड़ा हमला किया। हमले के दौरान भीषण धमाके के साथ दूतावास परिसर में आग लग गई। अमेरिकी दूतावास को दो ड्रोन से निशाना बनाया गया। मीडिया समूह सऊदी गजट ने देश के रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया है कि मंगलवार तड़के रियाद और अल-खारज शहरों के पास 8 ड्रोन को नष्ट कर दिया गया। प्रवक्ता ने बताया कि प्रारंभिक आकलन के अनुसार, रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास को दो ड्रोनों द्वारा निशाना बनाया गया था। इस घटना में इमारत के एक हिस्से में आग लगने से मामूली क्षति पहुंची है। जबकि सऊदी अरब ने प्रिंस सुल्तान एयर बेस को निशाना बना रहे 5 ड्रोनों को रोका। इससे पहले सोमवार को भी कुवैत और जॉर्डन स्थित अमेरिकी दूतावास पर ईरान ने हमला किया। हमले के बाद कुवैत स्थित अमेरिकी दूतावास परिसर में आग और धुआं देखा गया। एक दिन पहले ही सोमवार को दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी में से एक सऊदी अरामको की तेल रिफाइनरी रास तानूरा पर ड्रोन हमला हुआ। ईरान ने शाहेद-136 ड्रोन से इस रिफाइनरी को निशाना बनाया। यह रिफाइनरी सऊदी अरब के खाड़ी तट पर अहम एक्सपोर्ट टर्मिनल है। हालांकि इस हमले में मामूली क्षति हुई लेकिन सावधानी बरतते हुए सऊदी अरामको ने रिफाइनरी का ऑपरेशन फिलहाल बंद कर दिया है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका-इजरायली हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद तेहरान ने खाड़ी देशों पर मिसाइल हमला तेज कर दिया है।

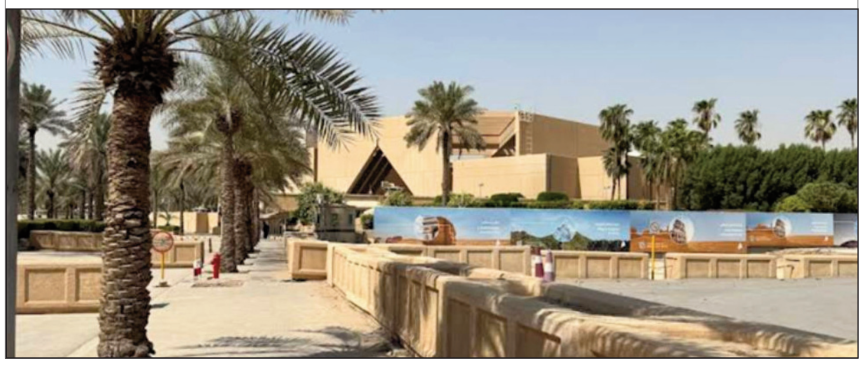

ट्रम्प का पहला सार्वजनिक बयान- ईरान पर हमले को ठहराया सही, बोले 'सबसे बड़ा प्रहार अभी बाकी'

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर संयुक्त अमेरिकी-इजराइली हमलों के बाद पहली बार सार्वजनिक बयान देते हुए सैन्य कार्रवाई को सही ठहराया है। सोमवार को वाइट हाउस में दिए संबोधन में ट्रम्प ने कहा कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा था। उन्होंने कहा, ह्लयह हमारे पास आखिरी और सबसे अच्छा मौका था, जिससे हम इस खतरनाक शासन से पैदा हो रहे खतरे को खत्म कर सकते थे।ह्व ट्रम्प के मुताबिक यह जंग चार से पांच सप्ताह तक चल सकती है, हालांकि अमेरिका के पास इससे अधिक समय तक कार्रवाई करने की क्षमता भी है। राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान का मिसाइल कार्यक्रम उसके परमाणु हथियार कार्यक्रम को सुरक्षित रखने और आगे बढ़ाने के उद्देश्य से विकसित किया जा रहा था। उन्होंने दावा किया कि यदि ईरान के पास परमाणु हथियार और लंबी दूरी की मिसाइलें होतीं, तो वह मध्य-पूर्व ही नहीं बल्कि अमेरिका के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता था। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका चाहता था कि यह खतरा पूरी तरह समाप्त हो और इस निर्णय में कई देशों का समर्थन भी मिला। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी सेना ईरान में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान ऐसे मिसाइल विकसित कर रहा था, जो अमेरिका तक पहुंच सकती थीं। उन्होंने यह भी कहा कि अतीत में हुए कई हमलों, जिनमें सड़क किनारे लगाए गए बम शामिल हैं, के पीछे ईरान का हाथ रहा है। ट्रम्प ने जंग में मारे गए चार अमेरिकी सैनिकों का भी जिक्र किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। यह बयान उन्होंने वियतनाम और अफगानिस्तान युद्ध में शहीद सैनिकों के सम्मान समारोह के दौरान दिया। पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने दावा किया कि जून में तीन ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के बाद स्पष्ट चेतावनी दी गई थी कि ईरान कहीं और परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू न करे। उनके अनुसार, इन ठिकानों को ह्लपूरी तरह तबाहह्व कर दिया गया था, लेकिन ईरान ने अपनी कोशिशें जारी रखीं। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान का बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम तेजी से बढ़ रहा था और वह यूरोप व अमेरिकी ठिकानों तक पहुंचने में सक्षम हो सकता था। इससे पहले सीएनएन को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा था कि ईरान के खिलाफ अभियान का ह्लबिग वेवह्व यानी सबसे बड़ा प्रहार अभी बाकी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने अभी अपनी पूरी ताकत नहीं लगाई है और आने वाले दिनों में कार्रवाई और तेज हो सकती है। व्हाइट हाउस में उन्होंने कहा, ह्लअभियान में जितना समय लगे, ठीक है। हम करेंगे।ह्व उन्होंने लंबे संघर्ष की अटकलों को खारिज करते हुए संकेत दिया कि अमेरिका अपने सैन्य लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। ट्रम्प के इस बयान ने संकेत दिया है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान फिलहाल थमने वाला नहीं है और आने वाले दिनों में हालात और गंभीर हो सकते हैं।

नेपाल में चुनावकर्मियों को ले जा रहा वाहन खाई में गिरा, 2 की मौत, 7 घायल

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल में आम चुनावों की तैयारियों के बीच रामेछाप जिले में चुनाव कर्मियों और चुनाव सामग्री ले जा रहा एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे दो लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गये। मरने वाले में एक जूनियर पुलिस अधिकारी और एक मतदान कर्मचारी भी शामिल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वाहन संख्या 'ना 7 ख 6768' सोमवार देर रात रामेछाप जिले के सिरुबारी क्षेत्र में सड़क से अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। इस दुर्घटना में नेपाल पुलिस के सहायक उप-निरीक्षक परशुराम यादव की मौके पर ही मृत्यु हो गई। वहीं मतदान अधिकर्ता डोर प्रसाद घिमिरे ने मन्थली अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। प्रमुख जिला अधिकारी श्याम कृष्ण थापा ने इसकी पुष्टि की है। वाहन रामेछाप के देउराली की ओर जा रहा था और उसमें मतदान ड्यूटी के लिए नियुक्त कर्मियों के साथ चुनाव सामग्री भी लदी हुई थी। घिमिरे को रामेछाप नगरपालिका-2 के वार्ड कार्यालय भवन में स्थित संघुटार मतदान केंद्र में मतदान अधिकृत के रूप में तैनात किया गया था। वह रामेछाप नगरपालिका-3 के संघुटार स्थित सरकारी विद्यालय में शिक्षक थे। दुर्घटना में सात अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों की पहचान भीम बहादुर मानन्धर, सम्बर बहादुर मानन्धर, कृष्णप्रसाद घिमिरे, दुर्गा कार्की, सबीना खड्का, केदार कुमार रोका और पूजा देवी सुनुवार के रूप में हुई है।

सीडीओ थापा के अनुसार, घायलों को आगे के उपचार के लिए हवाई मार्ग से काठमांडू भेजा गया है।

बंगाल से सटी हुई भारत-नेपाल सीमा 72 घंटे के लिए बंद

सिलीगुड़ी। नेपाल में पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव को देखते हुए मंगलवार से पश्चिम बंगाल से लगी भारत-नेपाल सीमा 72 घंटे के लिए बंद कर दी गई है। पानीटंकी सीमा पर आवागमन पूरी तरह रोक दिया गया है। इस दौरान दोनों देशों के नागरिकों का आना-जाना और व्यापारिक गतिविधियां पूरी तरह बंद रहेंगी। हालांकि, आपातकालीन सेवाओं के तहत एम्बुलेंस सेवा चालू रखी गई है। प्रशासन की ओर से बताया गया है कि छह मार्च की सुबह से सीमा पर आवाजाही फिर से सामान्य हो जाएगी। पानीटंकी सीमा का व्यापार मुख्य रूप से नेपाल के नागरिकों पर निर्भर है, ऐसे में सीमा बंद होने से स्थानीय कारोबार पर असर पड़ना तय है। पानीटंकी व्यापारी समिति के सचिव दीपक चक्रवर्ती ने कहा कि सीमा बंद होने से व्यापार में नुकसान तो होगा, लेकिन अन्य बार की तुलना में इस बार नुकसान कम रहने की संभावना है। उन्होंने बताया कि होली के कारण पहले से ही बाजार में मंदी का माहौल है। नेपाल में चुनाव और नई सरकार के गठन को लेकर सीमा क्षेत्र के व्यापारी भी नजर बनाए हुए है। सीमा बंद होने के पहले दिन ही दोनों देशों के कई नागरिक बॉर्डर पर फंस गए, जिससे उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ा।

ऑपरेशन मिलाप: दो माह में 193 लापता बच्चों व वयस्कों को परिवार से मिलाया

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस के दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने ह्यऑपरेशन मिलापह्न के तहत उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए लापता लोगों को उनके परिवारों से मिलाने का सराहनीय कार्य किया है। फरवरी माह (01 फरवरी से 28 फरवरी 2026) के दौरान पुलिस ने 118 लापता लोगों को तलाश कर सुरक्षित उनके परिजनों को सौंपा। इनमें 31 नाबालिग बच्चे और 87 वयस्क शामिल हैं।

वहीं इस वर्ष 01 जनवरी से 28 फरवरी 2026 तक कुल 193 लापता व्यक्तियों (59 नाबालिग व 134 वयस्क) को तलाश कर परिवारों से मिलाया जा चुका है। पुलिस के अनुसार किसी व्यक्ति के लापता होने की सूचना मिलते ही संबंधित थाने की टीम ने तत्काल तलाश अभियान शुरू किया। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, ऑटो और ई-रिक्शा स्टैंड, बस अड्डों और रेलवे स्टेशन पर फोटो दिखाकर पूछताछ की गई। बस चालकों, परिचालकों और स्थानीय दुकानदारों से भी जानकारी जुटाई गई। मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया और आसपास के थानों व अस्पतालों के अभिलेखों की भी जांच की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन मिलाप के तहत संवेदनशीलता और पेशेवर तरीके से जांच कर इन सभी को सकुशल बरामद किया गया। दक्षिण-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने टीम की सराहना करते हुए कहा कि लापता बच्चों और व्यक्तियों को सुरक्षित घर पहुंचाना पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे अभियानों को और तेज किया जाएगा।

थाना-वार बरामदगी का ब्यौरा इस प्रकार है

- थाना वसंत विहारः 9 लापता (2 पुरुष, 7 महिलाएं)
- थाना आर.के. पुरमः 1 नाबालिग बालक व 6 अन्य लापता
- थाना साउथ कैंपसः 2 नाबालिग बालिकाएं व 1 पुरुष
- थाना वसंत कुंज नॉर्थः 2 नाबालिग बालिकाएं व 7 अन्य
- थाना वसंत कुंज साउथः 3 नाबालिग (1 बालक, 2 बालिकाएं) व 6 अन्य
- थाना कापसहेड़ाः 9 नाबालिग (1 बालक, 8 बालिकाएं) व 15 अन्य
- थाना पालम विलेजः 6 नाबालिग (1 बालक, 5 बालिकाएं) व 11 अन्य
- थाना सागरपुरः 5 नाबालिग बालिकाएं व 11 अन्य
- थाना दिल्ली कैंटः 1 महिला
- थाना सरोजिनी नगरः 4 लापता
- थाना एस.जे. एन्क्लेवः 1 नाबालिग बालिका व 13 अन्य
- थाना किशनगढ़ः 2 नाबालिग बालिकाएं व 3 अन्य।

संक्षिप्त-समाचार

शेयर बाजार में मोटे मुनाफे का झांसा देकर 17.10 लाख ठगे, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के उत्तर-पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने शेयर बाजार में निवेश के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक महिला को कानूनी प्रावधानों के तहत पाबंद किया गया है। आरोपितों ने एक कारोबारी से 17.10 लाख रुपये की ठगी की थी। उत्तर-पश्चिम जिले के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त भीष्म सिंह ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान इंदरजीत (38), पवन कुमार (38) और गौरव त्यागी (25) के रूप में हुई है। वहीं महिमा शर्मा (24) को जांच के दौरान पाबंद किया गया। आरोपितों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस अधिकारी के अनुसार किराना दुकान चलाने वाले शालीमार बाग निवासी योगेश कुमार (43) ने साइबर थाने में शिकायत दी थी कि उन्हें एक व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़कर शेयर बाजार में अधिक मुनाफे का लालच दिया गया। ठगों ने पंजीकरण के लिए लिंक भेजा और अलग-अलग बैंक खातों में रकम जमा कराई। इस तरह उनसे करीब 17.10 लाख रुपये ठग लिए गए। जब पीड़ित ने रकम निकालने की कोशिश की तो उससे और पैसे जमा करने को कहा गया। शक होने पर उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। इस संबंध में साइबर थाना मॉडल टाउन में ई-एफआईआर संख्या 23/2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधिकारी के अनुसार जांच के दौरान पुलिस ने धनराशि के लेन-देन का तकनीकी और वित्तीय विश्लेषण किया। पता चला कि ठगी की रकम इंदरजीत की फर्म के चालू खाते में आई, जहां से उसे तुरंत विभिन्न गेमिंग एप और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए आगे भेज दिया गया, ताकि पैसों का स्रोत छिपाया जा सके। संबंधित बैंक खाता 17 राष्ट्रीय साइबर शिकायतों में भी सामने आया था। पूछताछ में इंदरजीत ने कबूल किया कि उसने कमीशन के बदले अपना फर्म खाता साइबर गिरोह को उपलब्ध कराया था। पवन कुमार बैंक खाते उपलब्ध कराने में मध्यस्थ की भूमिका निभाता था, जबकि गौरव त्यागी संचालन और समन्वय में सहयोग करता था।

मौजपुर में घर के बाहर हवाई फायरिंग

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के थाना भजनपुरा क्षेत्र में मंगलवार तड़के हवाई फायरिंग की घटना से इलाके में दहशत फैल गई। बदमाशों ने एक मकान के बाहर गोलियां चलाईं और मौके से फरार हो गए। गनीमत रही कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस के अनुसार मंगलवार तड़के थाना भजनपुरा को फायरिंग की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शिकायतकर्ता मौजपुर निवासी मोहम्मद अब्दुल कादिर (39) ने बताया कि दो-तीन अज्ञात व्यक्ति उसके घर के सामने आए और हवा में गोलियां चलाकर फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर फोरेंसिक टीम ने मौके का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 324(6)/3(5) तथा शस्त्र अधिनियम की धारा 25/27 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित कर दबिश दी जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इलाके में एहतियातन गश्त बढ़ा दी गई है।

कामरूप (मेट्रो) प्रशासन ने की दौल यात्रा को लेकर 4 मार्च को स्थानीय बंद की घोषणा

गुवाहाटी। दौल यात्रा के अवसर पर राज्य में होली के उत्सव के लिए लोगों में अपार उत्साह देखने को मिल रहा है। आज दौल यात्रा है, बुधवार को होली है। होली के अवसर पर राज्य के कई जिलों में स्थानीय बंद की घोषणा जिला प्रशासन ने की है। दौल यात्रा के अवसर पर 4 मार्च को स्थानीय बंद की घोषणा कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन ने की है। उक्त दिन कामरूप (मेट्रो) जिले के सभी सरकारी कार्यालय और शैक्षणिक संस्थान बंद रहेंगे। इस निर्देश के अनुसार, आगामी 4 मार्च को कामरुप (मेट्रो) जिले के सभी सरकारी कार्यालय, शैक्षणिक संस्थान, बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थान बंद रहेंगे। हालांकि, जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह स्थानीय बंद किसी भी प्रकार की शैक्षणिक परीक्षा पर कोई प्रभाव नहीं डालेगा। साथ ही पहले से स्थगित की गई कोई भी लिखित परीक्षा या साक्षात्कार आदि पूर्व निर्धारित समय अनुसार ही आयोजित किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि, असम सरकार द्वारा प्रकाशित बंद की सूची में 3 मार्च को दौल यात्रा के लिए बंद का दिन घोषित किया गया है। अर्थात, कामरुप (मेट्रो) जिले के सरकारी कर्मचारी 3 और 4 मार्च को छुट्टी का लाभ उठाएंगे।

जयपुर-आगरा हाईवे पर कोयले से भरा ट्रेलर पलटा, आग में जिंदा जला ड्राइवर

भरतपुर। भरतपुर में जयपुर-आगरा हाईवे पर सोमवार देर रात कोयले से भरा एक ट्रेलर मथुरा गेट इलाके में सारस चौराहे के पास पलट गया और उसमें आग लग गई। हादसे में केबिन में फंसा ड्राइवर जिंदा जल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेलर पलटने के बाद करीब 100 मीटर तक सड़क पर घिसटता हुआ आगे बढ़ा। इसी दौरान उसके टैंक से डीजल सड़क पर फैल गया, जिससे आग भड़क उठी। कुछ ही मिनटों में ट्रेलर का केबिन आग की लपटों में घिर गया। स्थानीय निवासी लक्ष्य सिंघल ने बताया कि ट्रेलर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया और तुरंत आग लग गई। ड्राइवर केबिन में फंस गया था और बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था, लेकिन तेज लपटों के कारण उसे बचाया नहीं जा सका। प्रत्यक्षदर्शी मोनू जौहरी ने बताया कि ट्रेलर रुकते ही आग तेजी से फैल गई और केबिन पूरी तरह जल उठा। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक ड्राइवर की मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान विरदी चंद गुर्जर (30) निवासी करड़ाला थाना रूपनगढ़, जिला अजमेर के रूप में हुई है। वह ट्रेलर को जयपुर से आगरा की ओर ले जा रहा था। घटना की सूचना मिलते ही सीओ पंकज यादव, एडिशनल एसपी गणपत महावर और मथुरा गेट थाना प्रभारी सहित पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। शव को आरबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सोना हुआ सस्ता, चांदी ने लगाई जोरदार छलांग

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

घरेलू सराफा बाजार में आज कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 2,520 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,175 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। इसके विपरीत चांदी की कीमत में आज 20,200 रुपये प्रति किलोग्राम की जबरदस्त उछाल दर्ज की गई।

सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,69,915 रुपये से लेकर 1,70,065 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,56,140 रुपये से लेकर 1,56,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज तीन लाख रुपये का स्तर पार कर 3,15,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। होली के एक दिन पहले दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,70,065 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,56,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,69,915 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,56,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,69,965 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,56,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,69,915 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,56,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं, कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,69,915 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,56,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,69,965 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,56,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,70,065 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,56,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,69,965 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,56,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,70,065 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,56,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,69,915 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,56,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सोनिया गांधी ने ईरान संकट पर सरकार की चुप्पी पर उठाए सवाल

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हवाई हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह चुप्पी तटस्थता नहीं बल्कि जिम्मेदारी से पीछे हटना है।

सोनिया गांधी ने एक अंग्रेजी अखबार में लिखा कि अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के नेता की हत्या अंतरराष्ट्रीय कानून और संप्रभुता पर सीधा हमला है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2(4) में किसी भी देश की राजनीतिक स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ बल प्रयोग पर रोक है। ऐसे में भारत जैसे लोकतांत्रिक देश की ओर से स्पष्ट प्रतिक्रिया न आना चिंताजनक है।

कांग्रेस ने ईरान में हुई बमबारी और लक्षित हत्याओं की निंदा की है और इसे खतरनाक बताया है। पार्टी ने ईरानी जनता और शिया समुदायों के प्रति संवेदना जताई है और कहा है कि भारत की विदेश नीति शांति और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान पर आधारित है।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच दिल्ली एयरपोर्ट पर आज 80 उड़ानें रद्द

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच हवाई यातायात पर व्यापक असर देखने को मिल रहा है। हवाई क्षेत्र बंद होने से उड़ान संचालन लगातार चौथे दिन प्रभावित हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) पर मंगलवार को 80 उड़ानें प्रभावित हुई हैं, जिनमें 36 प्रस्थान और 44 आगमन की उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के चलते कई खाड़ी के देशों ने एयरस्पेस पर प्रतिबंध या आंशिक बंदी लागू की है। सुरक्षा कारणों से कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों ने अपने रूट बदल दिए हैं, जबकि कुछ ने एहतियातन उड़ानें रद्द कर दी हैं। इसका सीधा असर नई दिल्ली से खाड़ी देशों और यूरोप जाने वाली फ्लाइट्स पर पड़ा है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के मुताबिक पिछले दो दिनों में भारतीय एयरलाइंस ने बढ़ते तनाव के कारण कुल 760 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द की हैं। खाड़ी क्षेत्र में कई एयरस्पेस बंद होने से पश्चिम दिशा की उड़ानों के शेड्यूल पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है। आकासा एयर ने खाड़ी देशों के लिए उड़ानें 3 मार्च तक स्थगित कर दी हैं।

वापिसी
इजराइल-ईरान युद्ध के चलते दुबई में फंसे भारतीय
217 लोग विशेष विमान से चेन्नई पहुंचे

एजेंसी (हि.स.)
चेन्नई

फोटोः हि.स.

इजराइल-ईरान युद्ध के चलते दुबई में फंसे लोगों लोगों को निकालने के लिए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कवायद शुरू कर दी है। तीन दिनों के बाद मंगलवार तड़के सुबह एक विशेष विमान के जरिए 217 यात्री चेन्नई पहुंच गए हैं। दरअसल, अमेरिका-ईरान के बीच परमाणु समझौता विफल होने के बाद इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। इसके जवाब में ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने भी इजराइल पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। इसओ अलावा ईरान ने अमेरिका के सहयोगी देशों बहरीन, कतर और संयुक्त अरब अमीरात पर भी ईरान ने हमले किए हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारी तनाव पैदा हो गया है। पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण दुबई, सऊदी अरब सहित कई खाड़ी देशों में उड़ान सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। इसके चलते वहां बड़ी संख्या में भारतीय फंसे गए हैं। इस स्थिति में खाड़ी देशों में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सऊदी अरब के जेद्दा शहर से भारत के विभिन्न शहरों के लिए इंडिगो एयरलाइन की ओर से 10 विशेष उड़ानें संचालित करने की घोषणा की है। इसी क्रम में दुबई से विशेष विमान से 217 यात्री मंगलवार तड़के चेन्नई हवाई अड्डे पर पहुंच गए हैं। हवाई अड्डे पर उनके परिजनों ने उन्हें गले लगाकर भावुक होकर स्वागत किया। हवाई क्षेत्र की स्थिति को देखते हुए दुबई की एमिरेट्स एयरलाइन ने कल रात से सीमित संख्या में कुछ उड़ानें ही संचालित करना शुरू किया है। जानकारी के अनुसार एयर इंडिया एक्सप्रेस ने मस्कट के लिए अपनी उड़ान सेवा आज से फिर शुरू कर दी है। दिल्ली, तिरुचिरापल्ली, कोच्चि, कोझिकोड और मुंबई से मस्कट के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानें संचालित की जा रही हैं। हालांकि, बहरीन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के लिए एयर इंडिया की उड़ान सेवाएं फिलहाल निलंबित रखी गई हैं।

स्पाइसजेट की चार विशेष उड़ानें शुरू, यूएई के फूजैरा से भारतीयों की वापसी तेज

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षित घर वापसी के लिए स्पाइसजेट ने विशेष उड़ानों के संचालन की घोषणा की है। यह विशेष सेवा 3 मार्च से शुरू हो चुकी है, जिसके तहत यूएई के फूजैरा से भारत के प्रमुख शहरों के लिए सीधी उड़ानें संचालित की जा रही हैं। विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने मंगलवार को कहा कि वह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में फंसे यात्रियों को वापस लाने के लिए फुजैरा से चार विशेष उड़ानों का संचालन कर रही है, इनमें से दो उड़ानें मुंबई के लिए संचालित की जाएंगी। स्पाइसजेट ने कहा कि वह 3 मार्च को और अगले कुछ दिनों के लिए फुजैराह को दिल्ली, मुंबई और कोच्चि से जोड़ने के लिए चार विशेष उड़ानें संचालित करेगी। कंपनी के बयान में कहा गया है कि स्पाइसजेट 4 मार्च से फूजैरा-दिल्ली और फूजैरा -मुंबई की अपनी निर्धारित उड़ानें फिर से शुरू करेगी। इसके साथ ही एयरलाइन यात्रियों की आवश्यकताओं और नियामक अनुमोदनों के अधीन, अधिक विशेष उड़ानें संचालित करने की संभावना का भी पता लगा रही है।

भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल रोमांचक होगा: गावस्कर

कहा, बुमराह और तिलक की मौजूदगी से भारतीय टीम फायदे में

एजेंसी (हि.स.)
बेंगलुरु

फोटोः हि.स.

अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर को लगता है कि भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 विश्व कप का सेमीफाइनल मैच बेहद रोमांचक होगा, जिसमें बल्लेबाजी में लचीलापन और जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज की मौजूदगी से भारतीय टीम थोड़ा फायदे में रहेगी। मौजूदा चैंपियन भारत गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड से भिड़ेगा। इससे पहले 2022 और 2024 में भी इन दोनों टीमों के बीच सेमाईफाइल खेला गया था। इंग्लैंड ने 2022 में एडिलेड में भारत को 10 विकेट से हराया, जबकि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने दो साल बाद वेस्टइंडीज के प्रोविडेंस में इसका बदला चुकता कर दिया था।

गावस्कर ने यहां चुनिंदा मीडियाकर्मियों से कहा, दोनों टीम बहुत अच्छी हैं। उनके पास अच्छे बल्लेबाज और अच्छे गेंदबाज हैं। उनके पास मध्य क्रम में अच्छे बल्लेबाज हैं और फिनिशर भी हैं। दोनों टीमों की गेंदबाजी में विविधता है। उन्होंने कहा, इंग्लैंड के पास कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जो आईपीएल में खेल चुके हैं और भारतीय परिस्थितियों से परिचित हैं। उसके खिलाड़ी नॉकआउट मैच खेलने के दबाव से भी अच्छी तरह वाकिफ हैं। इसलिए मुझे लगता है कि यह एक रोमांचक मुकाबला होगा।

गावस्कर ने हालांकि कहा कि तेज गेंदबाज बुमराह और इंग्लैंड के बल्लेबाजों के बीच जंग इस मैच का परिणाम तय करने में अहम भूमिका निभाएगी। इंग्लैंड की टीम में कप्तान हैरी ब्रूक इस समय शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, मेरा मानना है कि बुमराह को पावरप्ले में कम से कम दो ओवर करने चाहिए क्योंकि नई गेंद से अगर वह शुरू में विकेट ले लेते हैं, तो भारत का पलड़ा भारी हो जाएगा। वह जोस बटलर, फिल साल्ट और हैरी ब्रूक के विकेट लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर सकते हैं। गावस्कर ने कहा कि बुमराह को चार ओवर के बाद गेंदबाजी सौंपने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा, जब चार ओवर पहले ही फेंके जा चुके हैं और बल्लेबाजों को लगभग 20 गेंदें खेलने को मिल चुकी हैं, तो इसका मतलब होगा कि जब बुमराह गेंदबाजी करने के लिए आएंगे तो दोनों बल्लेबाजों को 8-10 गेंदें खेलने को मिल चुकी है और उन्होंने क्रीज पर अपने पांव जमा लिए होंगे। बुमराह और भारत दोनों के लिए यह बेहतर नहीं होगा कि बुमराह शुरू में गेंदबाजी करके विकेट हासिल करें। बुमराह का सभी प्रारूपों में इतना घातक गेंदबाज कैसे बने, इस बारे में गावस्कर ने कहा, अगर आपने आंद्रे अगासी की आत्मकथा (ओपन) पढ़ी है तो आपको पता चल जाएगा कि उन्होंने बोरिस बेकर की सर्व का अंदाजा कैसे लगाया। शुरू में तो वह उनकी सर्व का अंदाजा नहीं लगा पाए, लेकिन फिर उन्हें अहसास हुआ कि अगर गेंद उछालते समय उनकी जीभ बाईं ओर होती है तो वे वाइड सर्व करेंगे।

गावस्कर की डीपी वर्ल्ड सेलिब्रिटी गोल्फ प्रतियोगिता में भाग लेंगे कई सितारे

मुंबई। क्रिकेट विश्व कप विजेता युवराज सिंह और इयोन मॉर्गन, टेनिस के दिग्गज लिएंडर पेस और बैडमिंटन के महान खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण जैसी खेल जगत की कई नामी हस्तियां शुक्रवार को यहां होने वाली डीपी वर्ल्ड सेलिब्रिटी गोल्फ प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी, जो बल्लेबाजी के दिग्गज सुनील गावस्कर की एक चैरिटी पहल है। प्रतिष्ठित बॉम्बे प्रेसिडेंसी गोल्फ क्लब में होने वाली इस प्रतियोगिता का उद्देश्य गावस्कर के चैम्प्स फाउंडेशन के लिए जागरूकता पैदा करना है। यह फाउंडेशन वित्तीय कठिनाइयों और चिकित्सा संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की मदद करता है। चैम्प्स फाउंडेशन ने अपनी स्थापना के बाद से उन खेल नायकों को सम्मान, देखभाल और सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जिन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इस प्रतियोगिता में 100 से अधिक प्रतिभागी 18 होल वाले कोर्स में प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस प्रतियोगिता में युवराज, जीआर विश्वनाथ, वेंकटेश प्रसाद, हरभजन सिंह, अजय जडेजा, पार्थिव पटेल, मुरली कार्तिक, एस बद्रीनाथ, मुरली विजय और निखिल चोपड़ा जैसे प्रमुख भारतीय क्रिकेटरों के साथ-साथ मॉर्गन, माइकल वॉन और डेविड लॉयड जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर भी भाग लेंगे। क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों से जुड़े जो प्रमुख खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे उनमें टेनिस के दिग्गज लिएंडर पेस, बैडमिंटन के महान खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण, पेशेवर गोल्फर नेहा त्रिपाठी, रिधिमा दिलावरी और गौरव घई शामिल हैं। गावस्कर ने कहा, चैम्प्स फाउंडेशन की स्थापना इस विश्वास के साथ की गई थी कि खेल के माध्यम से भारत को गौरव दिलाने वाले खिलाड़ियों को जरूरत के समय उचित मदद मिलनी चाहिए। यह आयोजन केवल गोल्फ से नहीं जुड़ा है बल्कि उस खेल समुदाय को वापस कुछ देना है जिसने हमें इतना कुछ दिया है। उन्होंने कहा, मैंने सोचा कि शिक्षा, बाल कल्याण, महिलाओं, चिकित्सा, पोषण आदि के लिए इतने सारे संगठन और चैरिटी संस्थाएं हैं, लेकिन पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए कुछ भी नहीं है। यहीं से मुझे इस फाउंडेशन की स्थापना का विचार आया।

जॉर्जिया प्लिमर चोटिल, जिम्बाब्वे वनडे सीरीज के लिए बेला जेम्स को न्यूजीलैंड टीम में मौका

एजेंसी (हि.स.)
वेलिंगटन

फोटोः हि.स.

जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से पहले न्यूजीलैंड महिला टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर कंधे की चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गई हैं। उन्हें यह चोट जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दौरान अभ्यास सत्र में लगी थी। यही कारण रहा कि वह दूसरे और तीसरे टी20 मुकाबले में भी नहीं खेल सकीं। न्यूजीलैंड ने वह टी20 सीरीज 3-0 से अपने नाम की थी।

प्लिमर की जगह पहले तीसरे टी20 से पहले बल्लेबाजी कवर के तौर पर टीम में शामिल की गई बेला जेम्स अब वनडे सीरीज के लिए उनके आधिकारिक विकल्प के रूप में टीम के साथ बनी रहेंगी। बेला ने दिसंबर 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना वनडे पदार्पण किया था और उस सीरीज में दो मैच खेले थे। वह पिछले साल वनडे विश्व कप टीम का भी हिस्सा थीं, हालांकि उन्हें अंतिम एकादश में मौका नहीं मिला था।

मुख्य कोच बेन सॉयर ने एक आधिकारिक बयान में कहा, जॉर्जिया हमारे लिए शीर्ष क्रम में एक अहम खिलाड़ी हैं और टीम में जो ऊर्जा वह लेकर आती हैं, वह बेहद मूल्यवान है। उनका इस सीरीज से बाहर होना दुर्भाग्यपूर्ण है। बेला एक शानदार क्रिकेटर हैं और अब तक लगभग 100 लिस्ट-ए मैच खेल चुकी हैं। उनका अनुभव टीम के लिए काफी फायदेमंद रहेगा और वह सहजता से टीम संयोजन में फिट हो जाएंगी।

इस बीच, ऑफ स्पिनर नेंसी पटेल और विकेटकीपर-बल्लेबाज इजी शार्प को भी वनडे टीम में शामिल किया गया है। दोनों ने अब तक वनडे पदार्पण नहीं किया है। नेंसी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट झटके थे, जबकि इजी शार्प ने नाबाद 18 और नाबाद 22 रन की पारियां खेली थीं।

यह तीन मैचों की वनडे सीरीज 5 मार्च से शुरू होगी और 2025-2029 महिला चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा है। इस चक्र में अब तक श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज अपनी-अपनी अभियान की शुरूआत कर चुके हैं।

न्यूजीलैंड महिला टीम (वनडे) स्क्वाड

अमेलिया केर (कप्तान), इसाबेला गेज (विकेटकीपर), मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स, जेस केर, एम्मा मैक्लियोड, रोजमेरी मेयर, नेंसी पटेल, मौली पेनफोल्ड, इजी शार्प (विकेटकीपर)।

एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप क्वालीफायर के लिए कोरिया और वेल्स की टीम हैदराबाद पहुंची

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
हैदराबाद

एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 क्वालीफायर के लिए कोरिया और वेल्स की महिला हॉकी टीमें हैदराबाद पहुंच गई हैं। यह आठ देशों का टूर्नामेंट 8 से 14 मार्च तक आयोजित होगा, जिसमें से तीन टीमें बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी।

कप्तान ली यूरी के नेतृत्व में कोरिया की टीम नौ विश्व कप अभियानों का अनुभव लेकर आई है। टीम एक बार फिर विश्व मंच पर वापसी करते हुए अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (1990 में कांस्य पदक) को दोहराने की कोशिश करेगी।

वहीं, वेल्स की टीम 2025 यूरोहॉकी चैम्पियनशिप-क्क में उपविजेता रहने के बाद शानदार फॉर्म में है। वेल्स 1983 के बाद पहली बार विश्व कप में जगह बनाने के लक्ष्य के साथ इस क्वालीफायर में उतरेगा।

टूर्नामेंट में कोरिया को पूल-ए में इंग्लैंड, इटली और ऑस्ट्रिया के साथ रखा गया है। जबकि वेल्स पूल-बी में भारत, स्कॉटलैंड और उरुग्वे के साथ मुकाबला करेगा।

साइकिल चालक कांती दत्त 'फिट इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए 750 किमी की यात्रा करेंगे

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के फिटनेस एंबेसडर और साइकिल चालक कांती दत्त सरकार के प्रमुख 'फिट इंडिया' अभियान को बढ़ावा देने के लिए सात मार्च से साइकिल पर हैदराबाद से मुंबई तक 750 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। दत्त 'अल्ट्रा एंड्योरेंस' साइकिलिस्ट हैं और उन्होंने अपने पिता के निधन के बाद मानसिक रूप से फिट रहने के लिए यह खेल अपनाया। उनकी यह यात्रा 14 मार्च को समाप्त होगी। दत्त ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा, फिटनेस पर ध्यान देने से मैं केवल शारीरिक रूप से ही फिट नहीं बना, बल्कि इसने मुझे भावनात्मक रूप से फिट बनने में भी मदद की। इसने मुझे खुद को फिर से समझने में मदद की। मैं चाहता हूं कि लोग यही समझें कि यह केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं मानसिक स्वास्थ्य से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, हैदराबाद से मुंबई तक का यह मेरा पहला दौरा है। मैं चाहता हूं कि यह किसी खास बात का प्रतीक बने। यह यात्रा उन सभी लोगों के लिए है जिन्होंने कभी असहाय या डरा हुआ महसूस किया हो। आप खुद को फिर से समझ सकते हैं। मैंने ऐसा किया।

विश्व कप फुटबॉल में ईरान की जगह ले सकता है इराक

एजेंसी (हि.स.)
जेनेवा

विश्व कप के सह मेजबान अमेरिका की पहल पर मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के बढ़ने के कारण तीन महीने बाद होने वाली फुटबॉल की सबसे बड़ी प्रतियोगिता में ईरान का भाग लेना संदिग्ध है और ऐसी स्थिति में उसकी जगह इराक या यूएई को दी जा सकती है। ईरान को विश्व कप के ग्रुप चरण के अपने तीनों मैच अमेरिका में खेलने हैं। उसे ग्रुप जी में रखा गया है और उसे इंग्लेवुड, कैलिफोर्निया में 15 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलने हैं। इसके बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्त्र के खिलाफ पहले दौर का अपना अंतिम मैच खेलेगा।

अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद ईरान ने भी जवाबी हमले किए। उसने 2022 विश्व कप के मेजबान कतर और सऊदी अरब सहित अमेरिका के सहयोगियों पर मिसाइलें दागीं। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने सऊदी अरब को विश्व कप 2034 के लिए मेजबान चुना है। एशियाई फुटबॉल महासंघ के उपाध्यक्ष और ईरान के शीर्ष फुटबॉल अधिकारी मेहदी ताज ने कहा, निश्चित रूप से इस हमले के बाद हम विश्व कप में भाग लेने को लेकर उम्मीद की दृष्टि से नहीं देख सकते। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान 11 जून से शुरू होने वाले विश्व कप के लिए अपनी टीम भेजेगा या नहीं या अमेरिका की सरकार उसकी टीम को अपने यहां आने से रोकेगी या नहीं। फीफा ने शनिवार से इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया था। एशियाई फुटबॉल की महाशक्ति ईरान ने पिछले आठ विश्व कप में से छह के लिए क्वालीफाई किया है।

रियाल मैड्रिड की लगातार दूसरी हार से बार्सिलोना की स्थिति मजबूत

मैड्रिड। रियाल मैड्रिड की स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में लगातार दूसरी हार के कारण बार्सिलोना ने अंक तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। गेटाफे ने सैंटियागो बर्नबेउ स्टेडियम में मार्टिन सैट्रियानो के गोल की मदद से रियाल मैड्रिड को 1-0 से हराकर चौंकाने वाली जीत हासिल की। इस हार से रियाल मैड्रिड अपने चिर प्रतिद्वंद्वी बार्सिलोना से चार अंकों के अंतर को कम करने में असफल रहा। बार्सिलोना के अब 26 मैच में 64 अंक जबकि रियाल मैड्रिड के इतने ही मैच में 60 अंक हैं। एटलेटिको मैड्रिड और विलारियाल 26 मैच में 51 अंक लेकर क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। गेटाफे के 26 मैच में 32 अंक हैं और वह 11वें स्थान पर है। गेटाफे को रियाल मैड्रिड के खिलाफ अपने पिछले सभी आठ लीग मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। गोलकीपर डेविड सोरिया ने शुरू में कुछ शानदार बचाव करके अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्रों में प्रतिबंधों के कारण वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम भारत में फंसी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्रों पर लगे प्रतिबंधों के कारण टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल की दौड़ से से बाहर होने वाली वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम भारत में ही फंसी हुई है। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने कहा है कि वह खिलाड़ियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। खाड़ी क्षेत्र में हवाई सेवाएं फिलहाल निलंबित हैं और दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी नुकसान की खबर है, जो दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक बयान में कहा, सीडब्ल्यूआई यह बताना चाहता है कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद वेस्टइंडीज की सीनियर पुरुष टीम अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में प्रतिबंधों के कारण भारत से रवाना नहीं हो पाई। वेस्टइंडीज की टीम को कोलकाता में खेले गए सुपर आठ के करो या मरो के मैच में भारत से हार का सामना करना पड़ा और इस तरह वह टूर्नामेंट से बाहर हो गई। सीडब्ल्यूआई ने बयान में कहा, वर्तमान स्थिति में हमारे प्रशंसकों, परिवारों और हितधारकों की समझ और चिंता के लिए सीडब्ल्यूआई आभारी है। वेस्टइंडीज के अलावा जिम्बाब्वे के खिलाड़ी भी इसी कारण से भारत में फंसे हुए हैं। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने सोमवार को पुष्टि की कि टीम दिल्ली में ही है। उसने कहा कि यात्रा की नई व्यवस्थाओं पर काम किया जा रहा है। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने एक्स पर जारी बयान में कहा, टीम को दुबई के रास्ते स्वदेश लौटना था, लेकिन मध्य पूर्व में बदलती स्थिति के कारण प्रमुख पारगमन मार्ग बाधित हो जाने से यात्रा कार्यक्रम पर असर पड़ा है।

कान में चला जाए होली का रंग तो भूलकर भी न करें ये गलती

होली की मस्ती में अक्सर लोग अपने चेहरे और आंखों को बचाने की कोशिश तो करते हैं, लेकिन कानों की सुरक्षा को नजरअंदाज कर देते हैं। कुछ लोग तो इतने बेपरवाह होते हैं कि वे चेहरे और आंखों तक का ख्याल नहीं रखते, जिसका नुकसान उन्हें बाद में भुगतना पड़ता है। कान शरीर का एक बेहद संवेदनशील हिस्सा हैं। इसलिए आइए इस लेख में हम जानते हैं कि अगर होली के पक्के रंग या केमिकल वाला पानी कान के अंदर चला जाए, तो इसके क्या गंभीर परिणाम हो सकते हैं और होली खेलते समय आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। होली के सूखे गुलाल और पक्के रंगों में सीसा, क्रोमियम और अभ्रक जैसे हानिकारक रसायन होते हैं, जो कान की नाजुक त्वचा और पर्दे को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं। अगर खेलते समय रंग कान के भीतर चला जाए, तो यह न सिर्फ खुजली और जलन पैदा करता है, बल्कि संक्रमण का कारण भी बन सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार कान में फंसा सूखा रंग नमी पाकर फूल जाता है, जिससे कान बंद होने या 'टिनिटस' (घंटी बजने जैसी आवाज) की समस्या हो सकती है। बता दें कि कान की नली बहुत संवेदनशील होती है और इसमें बाहरी रसायनों का जानें से 'ओटिटिस एक्सटर्ना' जैसी सूजन वाली बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए होली की मस्ती के बीच कानों की सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना बहुत जरूरी है।

कान में रंग जाने से किन चीजों का जोखिम बढ़ जाता है

कान के भीतर अगर पक्के रंग चले जाते हैं तो फंगल और बैक्टीरियल इन्फेक्शन का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। अगर रंग कान के पर्दे तक पहुंच जाए, तो इससे सुनने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है और तेज दर्द महसूस हो सकता है। रसायनों के कारण कान की बाहरी नली में सूजन, लालिमा और लगातार खुजली की समस्या हफ्तों तक बनी रह सकती है।

क्या गलती नहीं करनी चाहिए

कान में रंग जाने पर उसे निकालने के लिए माचिस की तीली, चाबी या ईयर बड्स का इस्तेमाल बिल्कुल न करें, यह रंग को और अंदर धकेल सकता है। कान में अपनी मर्जी से तेल, हाइड्रोजन पेरोक्साइड या कोई भी आई-ईयर ड्रॉप्स न डालें, क्योंकि यह पर्दे को स्थायी नुकसान पहुंचा सकता है। कान को जोर से रगड़ने या झटकने की कोशिश न करें, इससे नाजुक ऊतकों में चोट लग सकती है।

अगर कान में रंग चला जाए तो कैसे राहत पाएं

सबसे पहले सिर को उस दिशा में झुकाएं जिस कान में रंग गया है और उसे धीरे-धीरे हिलाएं ताकि सूखा रंग बाहर गिर जाए। बाहरी हिस्से पर लगे रंग को गीले सूती कपड़े से धीरे से पोंछ लें, लेकिन पानी को कान के छेद के भीतर न जाने दें। अपनी उंगली से हल्के हाथों से कान को हिलाएं, इससे कान में फंसा रंग बाहर आ सकता है। अगर खुजली या भारीपन महसूस हो, तो तुरंत ईएनटी विशेषज्ञ से मिलें ताकि वे सुरक्षित तरीके से 'सक्शन' द्वारा रंग निकाल सकें।

होली खेलते समय ये सावधानियां बरतनी जरूरी

रंग खेलने से पहले कानों में रुई लगाएं और बाहरी हिस्से पर थोड़ा सा गरी का तेल लगा लें। पक्के और रासायनिक रंगों के बजाय केवल ऑर्गेनिक गुलाल का उपयोग करें। आप किसी भी दूसरे को कान के आस-पास रंग न लगाएं, और उन्हें भी ऐसा करने से मना करें।

भांग या शराब का सेवन पड़ सकता है भारी

होली पर अक्सर ये देखने को मिलता है कि कुछ लोग त्योहार के मस्ती और हुड़दंग के बीच भांग और शराब का सेवन करते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक भांग या शराब का सेवन आपको 'अस्थाई आनंद' तो दे सकता है लेकिन यह आपके शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों लिवर और हार्ट को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। अगर भांग की बात करें तो इसमें मौजूद 'टेट्राहाइड्रोकैनाबिनोल' अचानक दिल की धड़कन तेज कर देता है, जिससे ब्लड प्रेशर अनियंत्रित हो सकता है। कमजोर दिल वाले लोगों के लिए यह स्थिति कार्डियक अरेस्ट का जोखिम पैदा कर सकती है। वहीं शराब का सीधा असर लिवर पर पड़ता है, जिससे 'एक्यूट अल्कोहलिक हेपेटाइटिस' जैसी जानलेवा बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। बता दें कि शराब में मौजूद अल्कोहॉल सीधे खून में मिलकर नर्वस सिस्टम (तंत्रिका तंत्र) को प्रभावित करता है। इसलिए होली की खुशी में की गई यह छोटी सी लापरवाही न सिर्फ आपकी सेहत बिगाड़ सकती है, बल्कि गंभीर दुर्घटनाओं का कारण भी बन सकती है।

लिवर पर शराब और भांग का दोहरा असर

शराब को प्रोसेस करने के लिए लिवर को अत्यधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं। अगर आप पहले से ही फैटी लिवर या डायबिटीज से जूझ रहे हैं, तो होली पर किया गया नशा लिवर फेलियर का कारण बन सकता है। भांग और शराब का मिश्रण मेटाबॉलिज्म को धीमा कर देता है, जिससे डिहाइड्रेशन और शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बिगड़ जाता है।

हृदय स्वास्थ्य पर पड़ता है बुरा असर

एक स्टडी के मुताबिक भांग का सेवन करने के कुछ ही मिनटों के भीतर दिल की धड़कनें तेज हो सकती हैं, जिसे टैकीकार्डिया कहा जाता है। अधिक मात्रा में नशा करने से धमनियों में संकुचन हो सकता है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा उन लोगों में भी बढ़ जाता है जो स्वस्थ दिखते हैं। शराब के कारण शरीर में 'एरिथमिया' (अनियमित दिल की धड़कन) की समस्या शुरू हो सकती है।

होली के हुड़दंग में ऐसे रखें अपना ख्याल

नशे के बजाय नेचुरल पेय जैसे ठंडाई (बिना भांग वाली), नींबू पानी या ताजे फलों के रस को प्राथमिकता दें। होली के दिन पकवान के साथ पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। इससे शरीर डिहाइड्रेट नहीं होता है। होली खेलते समय किसी भी तरह की बेचैनी, सीने में दर्द या सांस फूलने जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

सेहतमंद होली ही है असली खुशी

होली को यादगार बनाने के लिए रंगों और लजीज पकवानों का सहारा लें, न कि नशे का। आपका लिवर और हार्ट आपकी पूरी जिंदगी का आधार हैं, इनकी सुरक्षा आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। नशे के प्रभाव में वाहन चलाना या किसी तरह के गहरे पानी में जाना भी जानलेवा हो सकता है। इसलिए इस वर्ष संकल्प लें कि आप अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे।

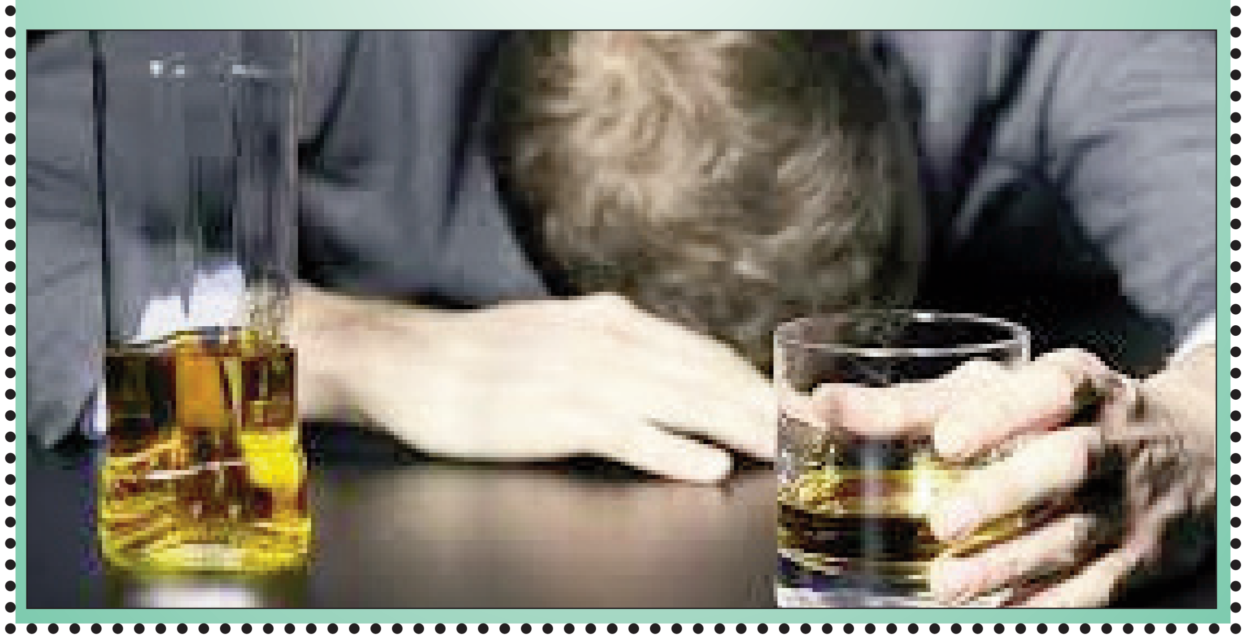

गांवों की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए चंडीगढ़ नगर निगम ने की तैयारी

हजारों निवासियों को मिलेगा सीधा लाभ, बेहतर नागरिक सुविधाएं होंगी उपलब्ध

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

शहर में हाल ही में नगर निगम सीमा में शामिल किए गए गांवों की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत बनाने की दिशा में नगर निगम ने महत्वपूर्ण पहल की है। आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के बजट अनुमान में जल आपूर्ति और सीवरेज व्यवस्था को अपग्रेड करने के लिए 5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मेयर के अनुसार नगप निगम में शामिल नए क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करना समय की आवश्यकता है। इन गांवों में पेयजल आपूर्ति को सुचारु बनाने और सीवरेज प्रणाली को बेहतर करने के लिए चरणबद्ध ढंग से कार्य किया जाएगा।

जिन गांवों में यह कार्य प्रस्तावित है, उनमें बुटरेला, बडहेड़ी, बुड़ैल, अटावा, हल्लोमाजरा, डड्डूमाजरा, मलोया, पलसोरा और कजहेड़ी शामिल हैं। नगर निगम का दावा है कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से हजारों निवासियों को सीधा लाभ मिलेगा और उन्हें बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। निगम अधिकारियों के अनुसार, संबंधित विभागों को प्रारंभिक तैयारियां शुरू करने के निर्देश दे दिए गए हैं, ताकि वित्त वर्ष की शुरूआत के साथ ही विकास कार्य गति पकड़ सकें। चंडीगढ़। नगर निगम आगामी वित्त वर्ष 2026-27 में धनास, सारंगपुर, खुड्डा अलीशेर, खुड्डा लहौरा, खुड्डा जस्सू, मक्खन माजरा, बहलाना, रायपुर खुर्द, कैम्बवाला, किशनगढ़, मौली जागरां, दरिया और रायपुर कलां में जल आपूर्ति तथा सीवरेज व्यवस्था को सुदृढ़ करेगा।

नगर निगम अगले साल टर्शरी ट्रीटेड की सप्लाई व्यवस्था को भी बेहतर करेगा। जिन इलाकों में अभी पाइपलाइन नहीं पहुंची है, वहां नया नेटवर्क बिछाया जाएगा। वर्ष 2026-27 में चल रहे और नए कामों के लिए 1 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है। मेयर के अनुसार इस राशि से मौजूदा पानी सप्लाई व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा और नई मशीनें लगाई जाएंगी। इसके अलावा, नगर निगम आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को बुनियादी सुविधाएं देने पर 2.40 करोड़ रुपये खर्च करेगा। प्रशासन द्वारा झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोगों को अलग-अलग पुनर्वास कॉलोनियों में बसाया गया है।

इन कॉलोनियों में इंदिरा कॉलोनी, मौली जागरां कॉलोनी, बापूधाम कॉलोनी (सेक्टर-26), कजहेड़ी कॉलोनी (सेक्टर-52), पलसोरा कॉलोनी (सेक्टर-56), मलोया, डड्डूमाजरा, मिल्क कॉलोनी धनास, जनता व कुम्हार कॉलोनी (सेक्टर-25), राम दरबार, खुड्डा लाहौरा कॉलोनी और नई धनास कॉलोनी शामिल हैं। इन क्षेत्रों में जरूरी सुविधाएं बेहतर की जाएंगी। इन कॉलोनियों को स्थापना के समय बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं। लेकिन समय के साथ निवासियों द्वारा बहुमंजिला निर्माण किए जाने से आबादी में तेज बढ़ोतरी हुई है। बढ़ती जनसंख्या के कारण यहां की मौजूदा सुविधाएं क्षमता से अधिक बोझ झेल रही हैं और अब इन्हें अपग्रेड करने की आवश्यकता है।

युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है हरियाणा सरकार: भारत भूषण भारती

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय नेचर कैंप थापली में भारत भूषण भारती, ओएसडी मुख्यमंत्री हरियाणा ने संत लोंगोवाल इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री की युवाओं के सर्वांगीण विकास संबंधी दृष्टि को साझा किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का स्पष्ट विजन है कि राज्य का युवा शिक्षित, आत्मनिर्भर और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने वाला हो।

उन्होंने विद्यार्थियों को उच्चतम शिक्षा प्राप्त कर देश सेवा के लिए प्रेरित किया तथा विदेश पलायन की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि युवा अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग देश में करेंगे तो हरियाणा और भारत की प्रगति को नई दिशा मिलेगी।

युवा कल्याण संयोजक नरेंद्र सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जिसके तहत प्रतिदिन एक विश्वविद्यालय के विद्यार्थी नेचर कैंप थापली का भ्रमण करते हैं।

यह आयोजन हरियाणा के मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत हरियाणा एवं पंजाब के विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को नेचर कैंप थापली भ्रमण हेतु आमंत्रित किया जाता है। यहां छात्र-छात्राएं प्रकृति के सान्निध्य में समय व्यतीत कर पर्यावरणीय तंत्र (ईकोसिस्टम) की कार्यप्रणाली को समझते हैं तथा जैव विविधता, जल संरक्षण और वन संरक्षण जैसे विषयों पर व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करते हैं।

डिप्टी रेंज ऑफिसर विजय नेहरा एवं वन दरोगा भूपेंद्र ने विद्यार्थियों को सतत विकास एवं पारिस्थितिकीय परिवर्तन विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इस अवसर पर सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन परमजीत, रेंज ऑफिसर संजय, डिप्टी रेंज ऑफिसर विजय नेहरा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कार्यक्रम की सराहना की तथा युवाओं को पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

थैलेसीमिक चैरिटेबल ट्रस्ट ने ब्लड डोनेशन कैंप की चेन ऑर्गनाइज की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ ने अपने थैलेसीमिक मरीजों और दूसरे जरूरतमंद मरीजों के लिए खून की आसानी से सप्लाई पक्का करने के लिए 21.02.2026, 22.02.2026, 23.02.2026, 25.02.2026 और 27.02.2026 को ब्लड डोनेशन कैंप की चेन ऑर्गनाइज की। इन कैंप में एक के बाद एक 103, 28, 168, 51 और 120 (कुल 469) ब्लड डोनर्स ने ब्लड डोनेट किया। ब्लड डोनर्स को उनके नेक काम के लिए सर्टिफिकेट, बैज और तारीफ के टोकन देकर सम्मानित किया गया। ळउळ ने डोनर्स के आराम और सुविधा के लिए पूरे इंतजाम किए और पार्टिसिपेंट्स को थैलेसीमिया और रेगुलर वॉलंटरी ब्लड डोनेशन की अहमियत के बारे में बताने के लिए एक खास थैलेसीमिया अवेयरनेस डेस्क भी बनाया। इस मौके पर, रेगुलर वॉलंटरी ब्लड डोनेशन की तुरंत जरूरत पर जोर दिया गया और आम लोगों से अपील की गई कि वे आगे आएं और उन कीमती जानें बचाने में मदद करें जो समय पर ब्लड सपोर्ट पर निर्भर हैं। ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन डिपार्टमेंट के हेड, प्रो. (डॉ.) आर.आर. शर्मा और ट्रस्ट के मेंबर सेक्रेटरी, श्री राजिंदर कालरा ने सभी वॉलंटरी ब्लड डोनर्स का दिल से शुक्रिया अदा किया। उन्होंने इन कैंपों को आसानी से और सफलतापूर्वक चलाने के लिए ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन डिपार्टमेंट और ळउळ टीम की मेहनत की भी तारीफ की।

हरियाणा बजट 2026-27 महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम : सांसद रेखा शर्मा

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने हरियाणा सरकार द्वारा प्रस्तुत वित्त वर्ष 2026-27 के बजट का स्वागत करते हुए इसे महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक दूरदर्शी एवं प्रभावी बजट बताया है। सांसद रेखा शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा प्रस्तुत यह बजट महिलाओं के सर्वांगीण विकास को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। बजट में महिला सुरक्षा को सुदृढ़ करने हेतु नए महिला पुलिस थानों की स्थापना तथा साइबर अपराधों से निपटने के लिए विशेष व्यवस्थाओं की घोषणा अत्यंत सराहनीय है। इससे प्रदेश की बेटियों और महिलाओं को सुरक्षित वातावरण और त्वरित न्याय सुनिश्चित होगा। उन्होंने विशेष रूप से 14-15 वर्ष की किशोरियों को निःशुल्क ळढश टीकाकरण उपलब्ध कराने के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह कदम भविष्य में सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव सुनिश्चित करेगा और महिला स्वास्थ्य को दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान करेगा। आर्थिक सशक्तिकरण पर बोलते हुए सांसद रेखा शर्मा ने कहा कि ह्यलाडो लक्ष्मी योजनाह्ल के विस्तार तथा ह्यपिंक कैबह्ल जैसी पहलों से महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के नए अवसर प्राप्त होंगे। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से उठाए गए ये कदम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी सशक्त करेंगे। सांसद ने कहा कि यह बजट केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का एक ठोस संकल्प है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन पहलों से हरियाणा महिला नेतृत्व, सुरक्षा और सामाजिक प्रगति के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान और मजबूत करेगा।

चंडीगढ़ स्वास्थ्य विभाग ने होली के लेकर एडवाइजरी जारी की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सिंथेटिक पाउडर की बजाय जैविक/फूलों से बने या प्राकृतिक रंगों को प्राथमिकता दें, क्योंकि कृत्रिम रंग त्वचा, आंखों और फेफड़ों को नुकसान पहुँचा सकते हैं।

आंखों की सुरक्षा हेतु धूप का चश्मा पहनें, सनस्क्रीन लगाएँ तथा आवश्यकता होने पर मास्क का उपयोग करें ताकि रंगों की धूल सांस के माध्यम से शरीर में न जाए।

बाहर निकलने से पहले त्वचा पर मॉइस्चराइजर तथा नारियल या जैतून का तेल लगाएँ – इससे त्वचा सुरक्षित रहती है और बाद में रंग साफ करना आसान होता है। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ तथा उत्सव के दौरान अत्यधिक शराब या अस्वच्छ खुले खाद्य पदार्थों से बचें। पालतू एवं आवारा पशुओं को रासायनिक रंगों से दूर रखें – ये उनकी त्वचा और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। बुजुर्गों एवं दमा/एलर्जी से पीड़ित व्यक्तियों को रंगों के सीधे संपर्क से यथासंभव बचना चाहिए। किसी भी स्वास्थ्य आपात स्थिति या गंभीर प्रतिक्रिया (एलर्जी, सांस लेने में कठिनाई, आंखों में चोट, कट/खरोंच आदि) की स्थिति में तुरंत चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करें।